



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने करनाल के इंद्री रोड स्थित श्री आत्म मनोहर जैन आराधना मंदिर में नवनिर्मित आधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी स्पेशलिटी चेरिटेबल हॉस्पिटल का लोकार्पण किया।

पंजाब की जेल में गैंगवार के बाद जश्न

अमृतसर/टीम एक्शन इंडिया पंजाब की गोइंदवाल जेल में मुरेवाला के कालिलों के बीच हुई गैंगवार के 2 वीडियो सामने आए हैं। ये वीडियो लॉरेंस गैंग के सचिन भिवानी ने बनाए हैं। इसमें अकित सेरसा के अलवार उसके दूसरे साथी गैंगस्टर भी नजर आ रहे हैं। ये सब गैंगस्टर जगमू भगवानपुरिया के युगो मनदीप तूफान और मनमोहन सिंह मोहना के कल्ल का जश्न मना रहे हैं। दोनों वीडियो सामने आने के बाद जेल में मोबाइल इस्तेमाल होने को लेकर पंजाब सरकार में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने दोनों वीडियो की जांच शुरू कर दी है। सचिन भिवानी जेल के अंदर मारकर फेंके गए मनदीप तूफान और मनमोहन मोहना के शव दिखा रहा है। इस दौरान जेल के सुरक्षाकर्मी भी नजर आ रहे हैं।

पुलिस देख भागे इमरान, गिरफ्तारी की लटकी तलवार

लाहौर/टीम एक्शन इंडिया पाकिस्तान पुलिस रविवार को तोशाखाना मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार करने उनके घर पहुंची। इस्लामाबाद पुलिस ने टीवीट कर बताया कि जब एसपी उनके कमरे में पहुंचे तो इमरान वहां मौजूद नहीं थे। इसके चंद घंटों बाद ही इमरान खान ने लाहौर में अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इतना जलोत्त कभी नहीं हुआ, हमारा क्राइम मिनिस्टर भीख मांगता घूम रहा है। इमरान ने अपने समर्थकों से कहा- आप मेरे टाइगर्स हैं। मैं कभी किसी के सामने नहीं झुका हूँ, हम सिर्फ अल्लाह के सामने झुकने वाले लोग हैं। पाकिस्तान गर्त में जा रहा है। हमारा प्राइम मिनिस्टर 16 अरब का घोटाला करके सजा पाने वाला था। जनरल बाजवा ने उसे प्राइम मिनिस्टर बनावा दिया। हमारे होम मिनिस्टर ने 8 कल्ल किए हैं।

तुनिषा सुसाइड केस में शीजान को मिली जमानत

मुंबई/टीम एक्शन इंडिया तुनिषा शर्मा सुसाइड मामले में मुख्य आरोपी शीजान खान को जमानत मिल गई है। उसे लेने के लिए उसकी मां और दोनों बहनें फलक नज्ज और शफक नाज वसई कोर्ट पहुंची थीं। जेल से निकलने के बाद शीजान उनके गले लगकर फूट-फूट कर रोता दिखाई दिया। करीब 70 दिन जेल में रहने के बाद शीजान को 4 मार्च को वसई कोर्ट से जमानत मिली थी। टीवी एक्ट्रेस तुनिषा ने 24 दिसंबर को शुटिंग के सेट पर फासी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। तुनिषा के खुदकुशी करने के कुछ ही घंटे के बाद उसकी मां ने उसके को-स्टर शीजान मोहम्मद खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शीजान को पुलिस ने 25 दिसंबर 2022 को गिरफ्तार कर लिया था।

एमपी: लाडली बहना योजना का हुआ शुभारंभ

भोपाल/टीम एक्शन इंडिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जबूरी मैदान में रविवार को महत्वाकांक्षी लाडली लक्ष्मी योजना के बाद लाडली बहना योजना का शुभारंभ किया। इससे पहले सीएम मंच से उतरकर महिलाओं पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिवादन किया। इसके बाद सीएम ने कन्यापूजन- महिलाओं का सम्मान कर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय शुरू हो रहा है। सीएम ने रिपोर्ट



का बटन दबाकर लाडली बहना योजना और योजना के थीम साँग लांच किया। बता दें शिवराज सरकार प्रदेश की बहनों को लाडली बहना योजना के तहत हर माह एक हजार रुपए देंगी। यह राशि हर माह की 10 तारीख को बहनों के खाते डाली जाएगी।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने हिमाचल स्टूडेंट्स यूनियन के वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'हिमाचल एक झलक' में शिरकत की

युवाओं को आधुनिक शिक्षा प्रदान करेगी सरकार: सीएम सुखू

शिमला/चमन शर्मा मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखू ने युवाओं का आह्वान किया कि हिमाचल की समृद्ध संस्कृति को देश-विदेश तक पहुंचाने के लिए वे प्रदेश के युवा दूत के रूप में कार्य करें, ताकि विश्व हिमाचल की विशिष्टता को आत्मसात कर सके। उन्होंने गत दिवस को पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में हिमाचल स्टूडेंट्स यूनियन द्वारा आयोजित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 'हिमाचल एक झलक' में बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में यह बात कही। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुखू ने कहा कि हिमाचल की



मनभावन संस्कृति, सरल रहन-सहन, सुंदर पहनावा और पौष्टिक आहार देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। युवाओं को न केवल इस विशेषता को जीवंत रखना होगा अपितु लोगों को

इससे रू-ब-रू भी करवाना होगा। उन्होंने कहा कि संस्कृति और लोकाचार का प्रसार पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देकर प्रदेश की आर्थिकी को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 14 अंक: 64 पृष्ठ: 08

RNI : UTTHIN/2009/31653



actionindiaddn@gmail.com

उत्तराखण्ड संस्करण

दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड



सीबीआई-ईडी के खिलाफ विपक्ष की मोर्चाबंदी

नौ विपक्षी नेताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र, केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग पर कही यह बात, भाजपा ने किया पलटवार

पीएम निशाने पर

= विपक्ष के नेताओं के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, लगता है हम एक लोकतंत्र से तानाशाही की ओर बढ़ रहे

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया आबकारी नीति मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के मामले पर अरविंद केजरीवाल समेत विपक्ष के नौ नेताओं ने पीएम मोदी को पत्र लिखा है। चिट्ठी में कहा गया है कि इस बात से आप में सहमत होंगे कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है। विपक्ष के नेताओं के खिलाफ जिस तरह से केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है, उन कार्रवाई से ऐसा प्रतीत होता है कि हम एक लोकतंत्र से तानाशाही की ओर बढ़ रहे हैं।

चिट्ठी लिखने वाले विपक्षी नेता: अरविंद केजरीवाल (आप), के.



चंद्रशेखर राव (बीआरएस), ममता बनर्जी (तृणमूल कांग्रेस), भगवंत मान (आप), तेजस्वी यादव (राजद), फारूक अब्दुल्ला (जेकेएनएस), शरद पवार (एससीपी), उद्धव ठाकरे (शिवसेना, यूबीटी), अखिलेश यादव (सपा)।

पत्र में कहा गया कि 26 फरवरी 2023 को दिल्ली में मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी काफी लंबी कवायद के बाद और बिना कोई सबूत साझा किए की गई।

'सरकार के कामकाज में राज्यपालों का हस्तक्षेप बढ़ रहा'

पत्र में यह भी कहा गया कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में सरकार के कामकाज में राज्यपाल का हस्तक्षेप बढ़ रहा है, जिसके कारण केंद्र और राज्यों के बीच दूरियां बढ़ रही हैं। पत्र में आरोप लगाया कि कुछ राज्यों में राज्यपाल जानबूझकर संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए ठीक संकेत नहीं है। पत्र के जरिए नेताओं ने केंद्रीय एजेंसियों की धूमिल हो रही छवि, उनकी स्वायत्तता और निष्पक्षता पर लगातार उठ रहे सवाल पर भी गहरी चिंता जताई है।

सिसोदिया पर लगाए गए सभी आरोप निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। इस कार्रवाई से पूरे देश की जनता में रोष है। मनीष सिसोदिया को स्कूल



शिक्षा में शानदार बदलाव लाने के लिए जाना जाता है। ऐसे में सिसोदिया का गिरफ्तारी दुनिया के सामने राजनीतिक साजिश का उदाहरण पेश

विपक्ष का भ्रष्टाचार उनका सत्तासिद्ध अधिकार: भाजपा

नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और विपक्ष के सात अन्य दलों के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी। इसमें केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए। इस पर अब भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा ने कहा कि आरोप लगाने वाली वह पार्टियां हैं, जिन्होंने संवैधानिक पदों पर बैठकर भ्रष्टाचार को अपना अधिकार मान लिया। आज उन अधिकार से उपजा हुआ अहंकार इस सीमा तक पहुंच गया है कि वो जांच से भी इनकार कर रहे हैं। दुखद है कि जांच एजेंसियों और देश की व्यवस्थाओं को धमकाने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज हम उस पाटी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से निपट रहे हैं, जिसने भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से अपनी यात्रा शुरू की थी।

पर्यटन को बढ़ावा देने का पीएम मोदी का नया मंत्र!



नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया इस साल से देश में पर्यटन की एक नई तस्वीर उभरने वाली है। यह तस्वीर होगी देश के उन चुनिंदा पचास पर्यटन स्थलों की। जिसमें समुद्र तटीय, वन्यजीव, रोमांचकारी, सांस्कृतिक, हिमालयन और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे कई पर्यटन क्षेत्रों को चिह्नित कर पूरी दुनिया में आगे बढ़ाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए इन क्षेत्रों पर विशेष जोर देने के लिए मंत्रालय के अधिकारियों को कहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने वॉर्डिंग डेस्टिनेशन समेत देश में आयोजित होने वाले खेलों और अन्य आयोजनों से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी नीति निर्धारण करने को कहा है। अधिकारियों के मुताबिक अगले कुछ महीनों के भीतर ही ऐसे टूरिस्ट डेस्टिनेशन और भव्य तरीके से तैयार हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो दिन पहले बजट के बाद पर्यटन के विकास को एक बड़े अभियान देने के लिए पर्यटन मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय समेत कई मंत्रालयों, राज्यों समेत पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों से न सिर्फ देश में पर्यटन को नई गति देने के लिए सुझाव मांगे बल्कि उनको कई सलाह भी दी।

नई तस्वीर उभरेगी

= समुद्र तटीय, हिमालयन और आध्यात्मिक पर्यटन जैसे कई पर्यटन क्षेत्रों को चिह्नित कर पूरी दुनिया में आगे बढ़ाया जाएगा

लंदन/टीम एक्शन इंडिया

7 दिन के ब्रिटेन दौर पर गए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर मोदी सरकार की खुले मंच पर आलोचना की है। लंदन में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने इंडिया इनसाइट्स के तहत राहुल गांधी से चर्चा की। इस दौरान राहुल ने कहा कि देश का अपमान में नहीं, बल्कि खुद पीएम मोदी करते हैं। राहुल ने कहा कि जो लोग प्रधानमंत्री मोदी या उनकी सरकार पर सवाल उठाते हैं, उस पर हमला किया जाता है। बीबीसी के साथ भी यही हुआ। राहुल ने इनकम टैक्स रेड,



लोकसभा चुनाव में उम्मीदवारी और इंडिया-चीन रिलेशनशिप पर भी बात की। मैं नहीं पीएम करते हैं देश का अपमान: मुझे याद है कि पिछली बार प्रधानमंत्री ने विदेश

विपक्ष मोदी सरकार को बदनाम कर रहा: रिजिजू



नई दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया केंद्रीय कानून मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि दुनिया को यह बताने की कोशिश की जा रही है कि भारतीय न्यायपालिका और लोकतंत्र संकट में है। टुकड़े-टुकड़े गैंग को बेहतर ढंग से समझ लेना चाहिए कि अब भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की नई यात्रा शुरू कर रहा है। इन गिरीहों को भारत विरोधी विदेशी संस्थाओं का समर्थन मिलता है ताकि वे भारत के खिलाफ सीधे हमले कर सकें। इसलिए वे इंडियन डेमोक्रेसी, सरकार, न्यायपालिका, डिफेंस, चुनाव आयोग, जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता पर हमला करते हैं। भारतीय न्यायपालिका पर सवाल नहीं उठाया जा सकता खासकर न्यायाधीशों के ज्ञान को सार्वजनिक जांच में नहीं डाला जा सकता है। न्यायाधीशों की बुद्धि सार्वजनिक जांच से परे है। रिजिजू ने ये बात एडवोकेट कॉन्फ्रेंस में कही। कुछ लोगों को पता नहीं भारतीय न्यायपालिका कैसे काम करती है : रिजिजू की टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के फैब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए लेक्चर के बाद सामने आई है, जिसमें राहुल ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र पर हमला हो रहा है।

The Social Welfare & Health Organisation

HELP US TO MAKE A DIFFERENCE IN THEIR LIVES

Sukhbir Singh Kalra Chairman 9810014786	Vinod Garg Vice Chairman 9811077396	Surendar Chopra Vice Chairman 9910766030	Mohan Garg Vice Chairman 8910536413	Ravi Bhardwaj National President 011-47502546 830826825, GURGAON	Sulabh Gupta General Secretary 9811346396	Tirath Raj Project Head 9811257770

'गोवंश के संरक्षण के लिए सरकार वचनबद्ध'

सरकार ने बढ़ाया गौशालाओं का बजट, 40 से किया 400 करोड रुपए, 28 मार्च से एमएसपी पर खरीदेगी किसानों की सरसों

8 ग्रामीण गाय के गोबर से बनने वाली वाली खाद पर आधारित प्राकृतिक खेती करें ताकि खाने के लिए शुद्ध अनाज मिल सके

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सरकार गौशालाओं के बजट में निरंतर बढ़ोतरी कर रही है, ताकि गायों के पालन-पोषण में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। इस वर्ष 40 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपए किया गया है। कृषि एवं पशुपालन मंत्री कदलाल रविवार को भिवानी के गांव जीतवानबास में स्थित कृषिमुनी गौशाला के वार्षिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने कहा कि सरकार गौ संरक्षण एवं संवर्धन पर पूरा जोर दे रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि वे गाय के गोबर से बनने



वाली वाली खाद पर आधारित प्राकृतिक खेती करें ताकि खाने के लिए शुद्ध अनाज मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यूरिया व डीएपी आदि खाद से खानपान जहरीला हो गया है, जिससे अनेक प्रकार की जानलेवा बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार 28 मार्च से एमएसपी पर किसानों की सरसों खरीदेगी। उन्होंने जीतवानबास की



नए अवसर मिलेंगे। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा गरीब लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठाया जा रहा है, जिसके चलते एक लाख 80 हजार रुपए तक की सालाना आय वाले करीब 29 लाख लोगों के चिरायु कार्ड बनाए गए हैं। इससे वे साल भर में जरूरत पड़ने पर पांच लाख रुपए तक का उपचार फ्री में ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि पशुधन को बचाने के लिए प्रदेश में 112 की

'भारतीय त्यौहार देते हैं आपसी भाईचारे को बढ़ावा'

चण्डीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि होली का पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली के रंग लेकर आता है। हर्ष और उल्लास के रंगों से भरपूर होली का पर्व आपसी मतभेदों और कटुता को भुलाकर एक दूसरे के प्रति प्रेम-भाव और सहयोग को प्रोत्साहित करने का पर्व है। सहकारिता मंत्री रेवाड़ी जिला के बावल में होली मिलन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में पहुंचे आमजन व भाजपा कार्यकर्ताओं ने कैबिनेट मंत्री डॉ. बनवारी लाल के साथ फूलों की होली खेल कर मनाया होली

मिलन समारोह। सहकारिता मंत्री ने जनमानस से आपसी प्रेम एवं सद्भावना के साथ सुरक्षित होली खेलने और मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि होली के त्यौहार में जितना संभव हो सके उतना कम पानी का इस्तेमाल करें तथा पानी को व्यर्थ न बहाएं। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की युवा पीढ़ी ने सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हुए देश को बदला है और अब होली का त्यौहार शान्तिपूर्वक तरीके से मनाया जाने लगा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति का निचोड़ त्यौहारों के जरिये आपसी सीमाहृदय प्रेम को बढ़ावा देना है।

दिग्विजय चौटाला की शादी में पहुंचेगी बॉलीवुड हस्तियां

सलमान खान से लेकर बाबा रामदेव तक को न्योता, लगन रंधावा से लेंगे 7 फेरे



हिसार/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा के डिप्टी सीएम दुखंत चौटाला के भाई दिग्विजय चौटाला की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। दिग्विजय चौटाला खुद अपनी शादी के निमंत्रण दे रहे हैं। उनकी शादी में बॉलीवुड हस्तियों से लेकर राजनीतिक हस्तियों शामिल होंगी। खुद दिग्विजय चौटाला बॉलीवुड स्टार सलमान खान, सिंहर कैलाश खेर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, पंजाब के मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह बडाल को भी बेटे की शादी का निमंत्रण दिया है। हाल ही में अजय चौटाला ने पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बडाल को भी बेटे की शादी का निमंत्रण दिया था। अमृतसर से हैं रंधावा परिवार: पंजाब के अमृतसर की रहने वाली लगन कौर रंधावा से दिग्विजय चौटाला की शादी तय हुई है। लगन कौर रंधावा के दादा अकाली सरकार में डिप्टी स्पीकर रह चुके हैं। जबकि उनके पिता दीपकर रिवाल एस्टेट कारोबारी हैं। सिरसा में समारोह की तैयारियां: सिरसा में समारोह की तैयारियां चल रही हैं। करीब

कार पर बैठकर हुड़दंग मचा रहे युवाओं को भेजा पोस्टल चालान

फरीदाबाद/टीम एक्शन इंडिया
तीन दिन पूर्व कार के बोनट व ऊपर बैठकर हुड़दंग मचा रहे युवाओं का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने एक्शन लेते हुए रविवार को पोस्टल चालान उनके घर पहुंचाए हैं। एक मार्च को मथुरा हाईवे पर युवाओं ने हुड़दंग मचाया था। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने रविवार को बताया कि एक मार्च को कुछ असामाजिक तत्वों ने मथुरा हाईवे पर अपनी गाड़ी के बोनट पर छत पर बैठकर यातायात के बीच अवरोध उत्पन्न किया था। फरीदाबाद में स्मार्ट सिटी के तहत लगे सीसीटीवी कैमरे में वारदात सामने आई तो सीसीटीवी टीएम ने तुरंत मामले में कार्रवाई करते हुए गाड़ी चालकों के घर पोस्टल चालान कर पहुंचा दिए गए थे।

सरकार ने व्यापारियों के हित में बनाया कानून: कमल गुप्ता

दशकों पुराने आवासीय क्षेत्रों में कमर्शियल गतिविधियों को मिलेगी मान्यता : मंत्री डॉ. कमल गुप्ता

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि राज्य सरकार जल्द ही दशकों पुरानी आवासीय कॉलोनिंगों अथवा सोसायटियों में कमर्शियल गतिविधियों को मंजूरी प्रदान करने का रही है। डॉ. गुप्ता आज रोहतक में पालिका बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित व्यापारियों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा स्वामित्व योजना के तहत व्यापारियों को उनकी दुकानों का मालिकाना हक प्रदान करने के



उपलक्ष में आयोजित किया गया था। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में दशकों पुरानी ऐसी कॉलोनिंगें अथवा सोसाइटी हैं, जहां पर व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं, लेकिन उन्हें मान्यता नहीं है। इसी के मद्देनजर सरकार ने

8 प्रदेश में दशकों पुरानी ऐसी कॉलोनिंगें अथवा सोसाइटी हैं, जहां पर व्यावसायिक गतिविधियां चल रही हैं

दिया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के हितों के मद्देनजर ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 20 साल से अधिक समय से शहरी स्थानीय निकाय विभाग की दुकानों पर अपना व्यापार चलाने वाले व्यापारियों के लिए विधानसभा में कानून पास करवाया। मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि कानून बनने के बाद 7000 अधिक कानून हुए थे। इनमें से 4000 दुकानों का

किराया शहरी स्थानीय निकाय द्वारा दिया जा रहा था, लेकिन शेष दुकानें अन्य विभागों की संपत्ति थी। इस संबंध में उन्होंने कहा कि शीघ्र ही एक ऐसा कानून लाया जाएगा, जिसके तहत अन्य विभागों की दुकानों का मालिकाना हक भी संबंधित व्यापारियों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि 31 मार्च से पहले-पहले यह कार्य पूर्ण हो जाए। डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि व्यापार का धंधा कर रहे लोग व्यापारी होने के साथ-साथ देश के नागरिक भी हैं इसलिए उन्हें देश के सशक्तिकरण के बारे में भी सोचना चाहिए।

बजट अध्ययन के लिए सोमवार को होगी विधायकों की ट्रेनिंग

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
राज्य में बजट अनुदान की मांगों का अध्ययन करने के लिए गठित आठ विभागीय समितियों के सदस्यों को सोमवार को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन समितियों का गठन हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने किया है। यह प्रशिक्षण सोमवार को संसदीय कार्य आठ अलग-अलग कमेटीयों संस्थान (प्राइड) की ओर से दिया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने इन

समितियों के सभापतियों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर चुके हैं। दरअसल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बीती 23 फरवरी को प्रदेश का बजट पेश किया था। उसके बाद से हरियाणा विधानसभा को स्थगित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने बजट अनुमानों पर मंथन के लिए आठ अलग-अलग कमेटीयों का गठन किया है। यह कमेटीयां 17 मार्च से शुरू होने वाले

विधानसभा के दूसरे सत्र के दौरान बजट के संबंध में अपनी रिपोर्ट देंगी। जिसके आधार पर सरकार बजट में संशोधन का प्रस्ताव रख सकती हैं। इन कमेटीयों की रिपोर्ट के बाद ही बजट की पास किया जाएगा। बजट पर अनुदानों की मांगों पर विचार विमर्श करने में विधायकों को स्थायी समितियों की कार्यप्रणाली की प्रक्रिया एवं अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक रणधीर सिंह गोलन ने गांव पाई में किया सड़क का उद्घाटन

कैथल/टीम एक्शन इंडिया
विधायक रणधीर सिंह गोलन ने कहा कि समूचे क्षेत्र वासियों की सुविधा के लिए पेयजल, जल निकासी, बिजली इत्यादि मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता से मुहैया करवाया जा रहा है, ताकि आमजन को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हो। क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। करोड़ों रुपए के विकास कार्यों को पूर्ण करने के लिए गति प्रदान की गई है, जिसके पूरा होते ही इस क्षेत्र की तस्वीर बदल जाएगी। विधायक, गांव पाई में एक करोड़ 25 रुपये की लागत से तैयार सड़क का उद्घाटन करने उपरांत बोल रहे थे।

बीजेपी-जेजेपी सरकार जनता का वोट लेकर जनता को ही भूल गयी: आशा हुड्डा

रोहतक/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की धर्मपत्नी आशा हुड्डा ने शहर में आयोजित सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने लोगों को रंगों के त्यौहार का बधाई दी। उन्होंने कहा कि होली का त्यौहार आपस में खुशी से मिलजुल कर मनाएं। एक-दूसरे के सुख-दुःख में शामिल हो। इस अवसर पर हुड्डा ने लोगों को संबोधित करते हुए

कहा कि महंगाई का बुरा हाल है। महिलाएं होली के त्यौहार की तैयारी कर रही थी कि सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर के दाम ही बढ़ा दिये ताकि वो होली की गुझिया भी न बना सकें। उन्होंने कहा कि रोहतक में पीने का साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है। अच्छी सड़कें, पीने का साफ पानी, बढ़िया सीवर व्यवस्था बिजली आदि देना सरकार का फर्ज होता है। ये सरकार जनता का वोट लेकर जनता को ही भूल गयी।

जनता की बात सुनना ही भूल गयी। किसान, कर्मचारी, सरपंच, नौजवान, आंगनबाड़ी वर्कर, मनरेगा मजदूर जब सरकार से अपनी बात कहने जाते हैं तो बदले में लाठियां मिलती हैं। प्रजातंत्र का मतलब होता है कि यदि कोई अपनी समस्या लेकर आये तो सरकार उसकी समस्या सुने और उसका समाधान निकाले बिरोजगारी और भ्रष्टाचार की बात करते हुए उन्होंने कहा कि हरियाणा में भ्रष्टाचार चरम

सीमा पर है। हर बार पेपर लीक और भर्ती कैसल हो रही है। आठ साल से पेपर लीक हो रहे हैं, लेकिन कोई पकड़ा नहीं गया। इस सरकार ने हरियाणा के युवाओं के साथ सबसे बड़ा मजाक ये किया है कि हरियाणा की नौकरियों में गैर-हरियाणवियों को वरीयता दे रही है। पहले हरियाणा के बच्चों को नौकरियों में अहमियत देने के प्रावधान थे, लेकिन ये सरकार हरियाणावासियों के बच्चों को बेरोजगार बना रही है।

२ सीएम को मिले उपहारों की नीलामी के लिए शुरू किए गए पोर्टल को मिला जबरदस्त रिस्पांस

उपहार पोर्टल के जरिए नीलामी के लिए रखे गए कुल 51 उपहार लिए ही खर्च किया जाएगा

चंडीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
खुद को मिले उपहारों की नीलाम कर उससे मिले डोनेशन को जन कल्याण के कार्यों में लगाने के प्रधानमंत्री कनेन्द्र मोदी के विचार से प्रेरित होकर हरियाणा के मुख्यमंत्री कमनोहर लाल द्वारा बनवाए गए उपहार पोर्टल को जबरदस्त रिस्पांस मिला है। हरियाणा में किसी मुख्यमंत्री ने पहली बार यह कार्य किया है जो साबित करता है कि मुख्यमंत्री जब यह कहते हैं कि पूरा हरियाणा ही उनका परिवार है तो यह सिर्फ एक बयान भर नहीं होता बल्कि इसमें पूरी सच्चाई निहित होती है। मुख्यमंत्री को मिले उपहारों की नीलामी से प्राप्त डोनेशन को समाज की भलाई के लिए ही खर्च किया जाएगा। उपहार पोर्टल के जरिए नीलामी के लिए रखे गए कुल 51 उपहारों को 1 करोड़ 14 लाख 95 हजार रुपए का डोनेशन मिला है। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव व सूचना, जनसम्पर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक डॉ. अमित अग्रवाल ने बताया कि कमनोहर लाल की श्री डी प्रिंटिड प्रतिमा की 21 लाख



रुपए की बोली लगाई गई है। अर्जुन रथ की आकृति को 6 लाख 41 हजार रुपए, कामाख्या देवालय की आकृति को 5 लाख 80 हजार रुपए और राम जन्म भूमि मंदिर की प्रतिमा को 1 लाख 75 हजार रुपए की बोली लगाई गई है। उन्होंने कहा कि उपहारों से प्राप्त धनराशि मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा होगी और इसे जन कल्याण के कार्यों पर खर्च किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री कमनोहर लाल ने विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान सामाजिक संस्थाओं या व्यक्तियों द्वारा सम्मान स्वरूप भेंट किए गए उपहारों की नीलाम करने का निर्णय लिया था। कमनोहर लाल की इस पहल के बाद मुख्यमंत्री उपहार पोर्टल लॉन्च किया गया

और पहले चरण में 28 फरवरी तक 51 उपहारों की नीलामी की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री उपहार पोर्टल पर हर उपहार के साथ उसकी बेस राशि अंकित की गई थी। उन्होंने बताया कि पहले चरण की नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद जल्द ही मुख्यमंत्री स्वयं अपने कर कमलों से बोली दाताओं को उपहार को सम्मान भेंट करेंगे। हालांकि यदि बोली दाता चाहे तो वह उपहार कोरियर से भी प्राप्त कर सकता है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 72वां जन्मदिन के मौके पर एक नीलामी प्रक्रिया का आयोजन करवाया था, जिसमें उन्हें देशभर से मिले लगभग 1200 तोहफों की ई नीलामी की थी।

ग्रामीण विकास के लिए बजट में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई: ढांडा

चण्डीगढ़/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा ग्रामीण विकास के लिए बजट में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वह गांवों की समस्याओं का सुनिश्चित तरीके से समाधान करें। उन्होंने कहा कि चुने हुए सभी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर ही विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी। पहिला एवं बाल विकास मंत्री कलायत खण्ड के गांव बढसिकरी खुर्द में चाय पर चर्चा कार्यक्रम में पहुंची। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास



को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। गांवों में पीने के पानी, गन्दे पानी की निकासी व सिंचाई के पानी के लिए परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला

परिषद, पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत के माध्यम से गांवों में विकास कार्यों को लेकर अलग-अलग योजनाओं के तहत पैसा दिया जाएगा। इसके लिए सभी जनप्रतिनिधि ग्रामीणों के साथ बैठकर चर्चा करें।

हरियाणा का सबसे छोटा शार्प शूटर: 20 साल की उम्र में 2 मर्डर केस

20 साल की उम्र में 2 मर्डर केस, पहले मूसेवाला को मारा, अब भगवानपुरिया के गुर्ग कत्ल किए

रोहतक/टीम एक्शन इंडिया
हरियाणा का सबसे छोटा शार्प शूटर अंकित सेरसा उर्फ छोटू फिर से सुर्खियों में है। सोनीलत के गांव सेरसा के रहने वाले अंकित उर्फ छोटू ने 9 महीने में दूसरा कत्ल कर दिया। इस बार उसका नाम डबल मर्डर केस में जुड़ा है। 19 साल की उम्र में उसने मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला का कत्ल किया। अब जेल में कुख्यात गैंगस्टर जगू भगवानपुरिया के गुर्ग मनदीप तुमन और मनमोहन मोहना को मार डाला। पंजाब की जेल में गैंगवार के आरोप में पंजाब पुलिस ने लॉस गैंग के जिन 7 आरोपियों पर मर्डर केस दर्ज किया है, उनमें अंकित सेरसा का नाम भी शामिल है। इसके बाद पंजाब पुलिस फिर अंकित सेरसा



के सारे कनेक्शन खंगालने में जुट गई है। हरियाणा पुलिस भी अंकित सेरसा के कॉन्टेक्ट को लेकर अलर्ट मोड पर है। 19 साल की उम्र में सिद्धू मूसेवाला की पहली हत्या: अंकित सेरसा ने जिस समय सिद्धू मूसेवाला की हत्या की, उस समय उसकी उम्र करीब 19

साल थी। वह करीब 6 माह पहले ही वह लॉस गैंग के गैंगस्टर गोल्टी बराड से संपर्क कर शामिल हो गया। इसके बाद उसने लगातार ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग लेने के बाद उसने पहला मर्डर सिद्धू मूसेवाला का ही किया। इससे पहले केवल अंकित ने हथियार चलाने ही सीखे थे। इसके बाद सिद्धू

सेरसा सबसे पहले लॉस गैंग के गुर्गे मोनू डायर के संपर्क में आया। इसके बाद मोनू डायर ने अंकित की मुलाकात अनमोल नामक व्यक्ति से करवाई। अनमोल के जरिए वह लॉस बिस्नेसमें गैंग से जुड़ गया। वहीं अंकित के खिलाफ सिद्धू मूसेवाला मर्डर से पहले राजस्थान में भी हत्या के प्रयास के दो मामले भी दर्ज थे। अंकित सेरसा का शुरूआत से ही पढ़ाई में ध्यान नहीं था। वहीं दसवीं कक्षा में फेल भी हो गया था। वह 6 बदन-भाईश में सबसे छोटा है। परिजनों ने उसे बुआ के पास बहादुरगढ़ भेज दिया। वहां लॉकडाउन के दौरान अंकित की नौकरी चली गई थी। वहां मोबाइल फोन की चोरी में उसका नाम आया था।

भारत हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है: चिदानंद

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
होली महोत्सव की पावन बेला में भारत विश्व को एक नई दिशा देने को तैयार है। भारत को भारत की दृष्टि से देखना होगा। परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद मुनि ने रविवार को यह बात कही। वे सिडकुल स्थित एक होटल में भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित चुनाव कार्यक्रम व रंग पर्व महोत्सव में यह बात कही।

महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर रहे स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि वर्तमान समय में जीवन में संस्कारों को जीवित रखने की आवश्यकता है। आज मोबाइल के चलते मां-बाप कहीं खो गए हैं। अपनी संस्कृति और सेवा भाव के लिए जागरूक होने की जरूरत है। केवल अपने लिए नहीं, बल्कि देश और दुनिया के



लिए भी जिएं। होली आई रे, होली आई है पर आज नये संकल्प लेने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत विकास परिषद इस कार्य को सुगमता से आगे बढ़ा रहा है। भारत को एक सिद्ध पुरुष नरेन्द्र मोदी के रूप में मिला हुआ है।

जिसके नेतृत्व में भारत की आज एक अलग पहचान विश्व में बनी है। भारत अब कमजोर नहीं है, वह शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में विकसित हो रहा है। स्वामी चिदानंद मुनि ने कहा कि होली हमें अपनी संस्कृति एवं जड़ों से जुड़े रहने का संदेश देती हैं।

कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ दिनेश शास्त्री ने कहा कि होली हमारे लिए एक पर्व मात्र नहीं है, यह हमारी संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है। रंगों की जीवन में अपनी महत्ती भूमिका है।

आगे उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है, इसलिए सभी उत्सव कृषि से जुड़े हुए हैं। भारत विकास परिषद का जन्म ही पांच सूत्रीय संपर्क, सहयोग संस्कार, सेवा और समर्पण को लेकर हुआ है और यही जीवन का सार भी है।

इससे पूर्व प्रथम चरण में भारत विकास परिषद के प्रांतीय पदाधिकारियों का चुनाव परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण गंग की देखरेख में सर्वसम्मति से संपन्न हुए। जिसमें परिषद का अध्यक्ष लगातार तीसरी बार ब्रज प्रकाश गुप्ता (हरिद्वार) को तथा दूसरी बार महासचिव मनीषा सिंहल (रुड़की) व वित्त सचिव रोहित कोचवे (देहरादून) को चुना गया। वहीं प्रांतीय महिला संयोजिका सुमधा जैन (रुड़की) को फिर से नामित किया गया।

एसटीएफ ने भर्ती के नाम पर ठगने वाले गिरोह का किया भंडाफोड़, 03 गिरफ्तार



8 -युवकों को उनके चयन होने का लेटर देकर हरिद्वार स्थित एक आश्रम में दिया जाता था प्रशिक्षण

इस सम्बन्ध में एसटीएफ ने जांच में पाया कि भारतीय युवा खेल परिषद नाम से एक बेवसाइट बनी हुई है, जिसमें फिजिकल एजुकेशन टीचर

जैसे विभिन्न पदों के लिये आनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध हैं। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिये 700 फीस निर्धारित की गई है। शुल्क भरकर आवेदन के पश्चात सेलेक्शन होने पर युवक/युवती को फिजीकल एजुकेशन टीचर पद के लिये उपयुक्त बताकर ट्रेनिंग के लिये हरिद्वार आश्रम में उपस्थित होने के लिये कहा जाता था।

संक्षिप्त खबरें

उत्तरकाशी में आधी रात भूकंप के झटके, जन-धन की कोई हानि नहीं

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
शनिवार आधी रात उत्तरकाशी नगर लगातार एक के बाद एक भूकंप के चार झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि किसी प्रकार की जानमाल की कोई खबर नहीं है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेन्द्र पटवाल ने भूकंप के झटकों की पुष्टि की है। उन्होंने भारतीय मौसम विभाग (नई दिल्ली) के हवाले से बताया है कि भूकंप की तीव्रता 2.5 रही, जिसका केंद्र जिले के भटवाड़ी तहसील में सिरौर गांव का जंगल था। उत्तरकाशी जिले में रविवार रात करीब 12 बजकर 40 मिनट पर भूकंप का पहला झटका महसूस हुआ। इसके बाद 5 से 10 मिनट के अंतराल में लगातार भूकंप के चार झटके महसूस किए गए। लगातार आए भूकंप के झटकों से उत्तरकाशी के लोग सहम उठेऔर घरों से बाहर निकल आए। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में लोग घरों से बाहर सड़क पर आकर खड़े हो गए। कुछ लोग रावलीला मैदान को सुरक्षित मानकर वहां पहुंच गए। जानसू और जोशियाड़ा में लोग डर के मारे बाहर सड़क किनारों पर चले गए। जिला आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक जनपद के सभी तहसील क्षेत्रों से कहीं से कोई जनहानि की सूचना नहीं है। वहीं लगातार भूकंप के झटकों को देखते हुए जिला प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने को कहा। लाउडस्पीकर से यह भी घोषणा करानी पड़ी की आसपास कोई नुकसान नहीं हुआ है। झटका ज्यादा खतरनाक नहीं है। लोग घर वापस जाएं व सतर्क रहें।

उत्तरकाशी पुलिस ने 34 लाख की ऑनलाइन ठगी के आरोपित को दिल्ली से किया गिरफ्तार

उत्तरकाशी/टीम एक्शन इंडिया
उत्तरकाशी पुलिस और एसओजी टीम ने 34,68,151/रुपये की ऑनलाइन ठगी के आरोपित को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। अन्य सल्लित आरोपितों की तलाश की जा रही है। इस मामले की विवेचना के दौरान वारदात में रवि सक्सेना समेत पांच लोगों का सल्लित होना नहीं पाया गया इनमें मुदित त्यागी निवासी 66 मुगरीपुरम गढ़ रोड, मेरठ, उप्र, मो. एहतिशाम निवासी मकान नंबर 02 सराय काजी और अनिल कुमार निवासी ग्राम करैथा जहंगीराबाद, बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश, बुगुन कुमार ठाकुर निवासी भटपुरा वार्ड नंबर 03 हमीदपुर सहरसा पहाड़पुर, बिहार, सन्तोष मिश्रा निवासी 110/5 भीमनगर मजलगांव, महाराष्ट्र शामिल हैं।

आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए उक्त मामले में एसएचओ दिनेश कुमार कोतवाली उत्तरकाशी के नेतृत्व में एसओजी और कोतवाली पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित की गई थी। पुलिस ने माह नवम्बर 2022 में आरोपित मुदित त्यागी और मो. एहतिशाम को धनलक्ष्मी मार्बल्स मेरठ-उप्र, माह दिसम्बर 2022 में आरोपित अनिल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया था। अन्य दो आरोपित फरार चल रहे थे,जो गिरफ्तारी से बचने के लिए घर-बार जगह बदल रहे थे। पुलिस टीम ने रविवार को वांछित आरोपित बुगुन कुमार को लक्ष्मीनगर मेट्रो स्टेशन, नई दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के आपराधिक इतिहास का पता लगाया जा रहा है और अन्य वांछितों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि अप्रस्त, 2022 में रूप मोहन नौदियाल निवासी मातली, उत्तरकाशी ने कोतवाली उत्तरकाशी में रवि सक्सेना समेत पांच लोगों के विरुद्ध अपने साथ एसबीआई लाइफ पॉलिसी का पैसा शेयर के नाम पर ऑनलाइन से 34,68,151/ रुपये की ठगी करने सम्बन्ध में एक लिखित तहरीर दी थी।

स्वतंत्रता सेनानी नन्दलाल धींगरा मार्ग का हुआ लोकार्पण

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
देशभर में प्रत्येक महीने के प्रथम रविवार को 10 बजे 10 मिनट अपने पूर्वजों के नाम अभियान ने गति पकड़ ली है। पूरे देश के विभिन्न जिलों के साथ ही हरिद्वार में भी नगर कोतवाली के सामने स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्मृति स्तंभ पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा शहीदों को पुष्पांजलि समर्पित की गई। इस अवसर पर सेनानी परिवारों को समिति के महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि हर महीने प्रथम रविवार 10 बजे 10 मिनट पूर्वजों के नाम अभियान पूरे देश भर में आज लगभग 270 जिलों में एक साथ हो रहा है। हरिद्वार जनपद में भी रुड़की, लक्सर, बहादुराबाद और भगवानपुर में भी इसी तरह पुष्पांजलि एवं राष्ट्रगान का आयोजन किया गया है।

होली गिले-शिकवे दूर और सत्मान करने का पर्व : हरदा

हरिद्वार/टीम एक्शन इंडिया
पत्रकारों की संस्था स्टेट यूनियन ऑफ वर्र्किंग जर्नलिस्ट्स, हरिद्वार ने मध्य हरिद्वार स्थित एक होटल इन में संस्था की नवनिर्वाचित हरिद्वार इकाई का शपथ ग्रहण और होली मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम को शुरूआत में पत्रकार राजेश पांडेय ने सभी नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर राजेश पांडेय ने कहा कि पत्रकारिता का वर्तमान दौर बहुत ही चुनौतियों भरा है। आज



संचार क्रांति के चलते युवा पत्रकारों की और भी जागरूक रहने की आवश्यकता है क्योंकि पत्रकारिता के क्षेत्र में हर दिन नई तकनीक आ रही है। इस अवसर पर उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम के दूसरे चरण में संस्था ने होली मिलन कार्यक्रम में

पथारें जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर संजय गिरी ने कहा कि होली मुश्किलों का त्योहार और बुराई पर सच्चाई की जीत का त्योहार है। हमें इसे सभी को मिल जुलकर मनाना चाहिए। कार्लोचरण महाराज ने कहा यह रंगों का त्योहार ऐसा पावन त्योहार जो हमें एक दूसरे से दिलों से जोड़ता है।उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरिश रावत ने कहा कि होली पर सभी गिले शिकवे दूर करके हमें एक दूसरे का सम्मान करना चाहिए। होली हमें भाईचारे का संदेश देती है। पूर्व कैबिनेट मंत्री तथा विधायक मदन कौशिक ने कहा होली खुशियों का त्योहार है। हम एक दूसरे से मतभेद

भुलाकर खुले दिल से होली के त्योहार को मनाना चाहिए। महापौर अनीता शर्मा ने कहा कि होली दिलों को दिलों से जोड़ने का त्योहार है। आओ हम सब मिलकर इस पावन त्योहार पर एक दूसरे के गले मिलकर मनाएं। इस पावन त्योहार की पवित्रता को और बढ़ाएँ।पूर्व गृह राज्य मंत्री राम सिंह सैनी ने कहा कि हमारा देश भगवान राम, भगवान कृष्ण सहित महापुरुषों का देश है यहां कदम कदम पर धर्म का गाथाएं लिखी गई हैं। होली पूर्व बुराई पर सच्चाई की जीत का महापर्व है। कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सतपाल ब्रह्चारी, मुरली मनोहर, उत्तराखंड महिला आयोग की

प्रथम अध्यक्ष संतोष चौहान, डा विशाल गंग, गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम, महामंत्री तन्मय वशिष्ठ, पूर्व दजाधारी संजय पालीवाल, सपा नेता शुभम गिरी शेहड़ा, संजय चोपड़ा, सुनील मोहान, उज्ज्वल पंडित, राजेश शर्मा ने होली बधाई दी। इसके साथ रंगारंग हुए होली कार्यक्रम में नन्हे मुन्हे बच्चों ने स्कूल की प्रधानाचार्य प्रियंका के दिशा निर्देशन में व शिवालिक शिशु स्कूल के बच्चों कनक अवस्थी, खुशी, वैश्रवी, अनन्या, श्रेय श्री ने अपनी प्रस्कृति से सबका मन मोहा। सभी अतिथियों का संस्था के पदाधिकारियों ने स्वागत किया।

पुलिस के हत्थे चढ़ा 50 लाख की रंग-दारी मांगने वाला सुनील राठी का गुर्गा



उ.प्र. को सिडकुल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के पास से एक रिस्टल, 02 मैगजीन व 10 जिन्दा कारतूस बरामद किए हैं। गौरतलब है कि बूलेट प्रूफ स्कार्पियो गाड़ी में घूमने वाले

आरोपित सुशील गुज्जर ने सुनील राठी के लिये काम करता है। विक्रांत मलिक कासबा बड़ा परिवार गुरुकुल, हरिद्वार से नवोदय नगर स्थित एक प्लॉट के मामले को निपटाने के एवज में 50 लाख की रंगदारी मांगी गई थी। जेल में बंद सुनील राठी और उसके गुर्गों ने फोन पर धमकी दी थी। रकम न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गयी थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की तहकीकात कर रही थी।



संपादकीय

मॉब लिंचिंग, भीड़ तंत्र के खतरे

भीड़तंत्र द्वारा किया गया न्याय राज्य की विफलता है। जो कार्य राज्य की कार्यपालिका तथा न्यायपालिका द्वारा गुण दोष के आधार पर किया जाना चाहिए, आज उसे भीड़ तंत्र द्वारा किया जा रहा है, यह साव्यभौमिक अवधारणा है कि भीड़ को राजनीति और सत्ता मिलकर पैदा करते हैं, और यही सामूहिक लोगों की भीड़ राज्य के नियंत्रण से मुक्त होकर राज्य के अस्तित्व को चुनौती देने लगती है। और फिर सामने आती है माब लींचिंग। वर्तमान समाज उपभोक्तावादी हो गया है, आजकल सहयोग तथा सहिष्णुता की भावना तथा समझ लगातार कम होते जा रही है। हम की संयुक्त भावनाओं के बजाए मैं की प्रवृति सामने आने लगी है। और समाज व्यक्ति केन्द्रित विकास की ओर अग्रसर हो कर समाज का एक बड़ा तबका विकास के पथ से बहुत पीछे छूट गया है। वस्तुतः एक तरफा वैश्वीकरण तथा साधनों के केन्द्रीकरण के कारण गरीबी तथा बेरोजगारी खुलकर सामने आने लगी है। भारत के 10% लोगों के पास देश की 58% संपत्ति का स्वामित्व है। एवं देश की पूंजी का 70% भाग 1 प्रतिशत लोगों के अधिकार क्षेत्र में है। इन्ही कारण है कि भारत में भी फ्रांस एवं रूस की क्रांति जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। इस मामले में भारत में हर राज्य की भूमिका अलग-अलग तथा भिन्न भिन्न है। भारत की शिक्षा व्यवस्था भी भीड़ तंत्र को काफी प्रोत्साहित कर रही। बैचलर डिग्री तथा मास्टर डिग्री लेने के बाद डिग्री धारी लोग बेरोजगारी या अल्प रोजगार के कारण कूँठित हो रहे हैं।

और यही कुछ बेरोजगारी एवं गरीबी किसी भी घटना को भीड़ तंत्र की ओर खींचती है, फल स्वरूप मॉब लिंचिंग की अनेक घटनाएं सामने आने लगी हैं। दूसरी तरफ कानून का यह मानना है कि न्याय में विलंब न्याय को नकारना है। भारत की न्याय व्यवस्था अपने लंबित मुकदमों तथा प्रकरण के कारण एक तरह से अन्याय की ही जन्म देती है। किसी हत्यारे या बलात्कारी को सजा देने का समय तब आता है, जब आरोपी बहुत बुजुर्ग अथवा मर चुका होता है। भीड़ तंत्र अस्थायी रूप से समान मृत्यों तथा भावनाओं की पहचान के साथ जुड़े अलग-अलग समूहों के लोगों का शामिल एक बड़ा समूह है। भीड़ की कोई अपनी आंख शकल नहीं होती एवं भीड़ की कोई पहचान भी नहीं होती है। इसके उद्देश्य तत्कालिक होते हैं, यह भी हो सकता है कि भीड़ में जो एक क्षण पहले नायक हुआ करता था, वह अगले ही पल उस समूह का पीड़ित व्यक्ति भी हो सकता है। इतिहास में इसके कई उदाहरण है जहां भीड़ ने अपने नेता को पद से हटाकर उसकी विनाश लीला ही रचा दी थी। फ्रांस का शासक रोबेस्पीयर इसका एक बहुत बड़ा उदाहरण है।

और सिमरंड फ्रायड के अनुसार भीड़ में व्यक्ति अपने सारे मूल्य खोकर आदिम काल में पहुँच जाता है, और भीड़ में कोई धर्म नहीं रह जाता है। कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की लेटलतीफी के कारण भीड़ को कानून का भय लगभग समाप्त हो गया है। धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन कर किसी विशेष धर्म के लोगों को खानपान तथा व्यंजन के आधार पर कथित लोगों द्वारा किसी को भी निशाना बना कर उसकी हत्या कर दी जाती है, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्य जनक है। रही सही कसर सोशल मीडिया पूरा कर रहा है, फर्जी समाचार तथा राजनीतिक नियंत्रण के कारण सोशल मीडिया कई बार किसी विशेष वर्ग के द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जा रहा है।

आखिर लेना पड़ा येदियुरप्पा का साथ



अशोक भाटिया

“केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदले,

राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि और

भाजपा के संगठन मंत्री बीएल

संतोष की भी निगाह कर्नाटक पर

टिकी है। भाजपा ने 2023 के

प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के

लिए जिन सीटों पर 2018 में हारे

थे, उसे इस बार जीतने की

रणनीति बनाई है। भाजपा

मुख्यालय के एक नेता का दावा है

कि 2023 में पुराना मैसूर क्षेत्र में

भाजपा को 20 सीटें अधिक मिलने

वाली हैं। हालांकि पुराना मैसूर का

इलाका वोक्कालिगा बहुल है।

भाजपा नेता डा. सीएन

अश्वथनारायण भी वोक्कालिगा हैं।

वोक्कालिगा को साधने के लिए

भाजपा ने अश्वथनारायण को

काफ़ी अहमियत दी है। कांग्रेस के

नेता डीके शिवकुमार भी वोक्का

लिगा हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी

देवेगौड़ा और उनका परिवार

वोक्कालिगा हैं

पिछले सप्ताह मोदी ने शिवमोगा एयरपोर्ट के उद्घाटन की तारीख भी येदियुरप्पा के 80वें जन्मदिन की ही चुनी थी। यह बात बताती है कि राजनीति में हर बात कोई ना कोई संदेश देती है। बड़े नेता अक्सर बहुत सोचकर कुछ करते हैं जिसका कुछ ना कुछ मायने होता है। प्रधानमंत्री मोदी येदियुरप्पा का हाथ पकड़कर नवनिर्मित शिवमोगा एयरपोर्ट तक गए। फिर मंच पर ऐसा नज़ारा दिखा जो कर्नाटक में भाजपा का हाल बहुत हद तक बर्ण कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने येदियुरप्पा से गर्मजोशी के साथ मेल-मिलाप के जरिए कर्नाटक की जनता को बड़ा संदेश दिया, खासकर लिंगायत समुदाय के मतदाताओं को। प्रदेश में इसी वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। पार्टी ने येदियुरप्पा को जुलाई 2021 में मुख्यमंत्री पद से हटाकर बासवराज बोम्मई को गद्दी सौंप दी है। लेकिन उसका आत्मविश्वास उमंगमा रहा था। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने वंशवादी राजनीति का ठप्पा लगने से बचने के लिए येदियुरप्पा को हटा तो दिया, लेकिन अब उसे लिंगायत समुदाय के वोट बैंक की चिंता सता रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने येदियुरप्पा के साथ गलबहियां करके पार्टी को इसी चिंता से उबारने की कोशिश की है। गौतलब है कि कर्नाटक में लिंगायत की बड़ी आबादी है। मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई लिंगायत हैं, लेकिन अभी तक भाजपा के पास पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा जैसा जमीनी पकड़ वाला लिंगायत नेता नहीं है। मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी येदियुरप्पा से रिश्ते के पार्टी के नेता बीएस येदियुरप्पा से रिश्ते के एक अलग केमिस्ट्री बनाते हैं। इसी केमिस्ट्री ने बीएस येदियुरप्पा को 26 जुलाई 2019 को येदियुरप्पा को चौथी बार मुख्यमंत्री बनने का अवसर दिया था। इसका अंदाज़ इसी से लगाया जा सकता है कि मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद भी प्रधानमंत्री ने कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक येदियुरप्पा का रुतबा कम नहीं होने दिया। यह हाल में उनके 80 वें जन्मदिन में शामिल हुए और येदियुरप्पा ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव में 224 विधानसभा सीटों में 130-140 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा दिया है। पार्टी को बहुमत के लिए 113 सीटें चाहिए और 2018 के विधानसभा चुनाव में येदियुरप्पा के चेहरे पर चुनाव लड़कर 106 सीटें ही ला सकी थी। येदियुरप्पा मुख्यमंत्री बने और उन्हें अल्पमत में होने के कारण हटना पड़ा। इसके बाद कांग्रेस के समर्थन से जद(एस) ने सरकार बनाई। एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने, लेकिन



कुछ महीनों के बाद आपरेशन लोटस-2 के बाद वह फिर राज्य सरकार के मुखिया बन गए थे। यही नहीं पिछले हफ्ते केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पहली बार कर्नाटक सरकार की विकास योजनाएं गिाने की जगह मोदी और येदियुरप्पा के चेहरे पर वोट मांगा था। उन्होंने बेल्लारी की चुनावी रैली में कहा था, 'मेरी आपसे अपील है कि प्रधानमंत्री मोदी और येदियुरप्पा में अपना भरोसा बनाए रखें और भाजपा को फिर से सत्ता में लाएं।' उसके बावजूद ऐसे कई कारण हैं जिसके कारण भाजपा को कर्णाटक चुनाव की लड़ाई कठिन लग रही है हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 48 दिन के भीतर पांच बार कर्नाटक राज्य का दौरा कर चुके है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लगातार कर्नाटक को अहमियत दे रहे हैं। यह पूरी कवायद मुख्यमंत्री बसावराज बोम्मई, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा और अन्य भाजपा नेताओं में तालमेल बनाकर दो महीने के भीतर प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में सफलता पाने की है। प्रधानमंत्री और अमित शाह दोनों को पता है कि कर्नाटक विधानसभा का चुनाव हिमाचल विधानसभा की तरह खासा मुश्किल है। वैसे कर्नाटक को साधने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यहां काफी कुछ अपने स्तर से ठीक किया है। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पार्टी नेताओं को चुनाव जीतने के मंत्र दिए। बृथ स्तर पर तैयारियों को तेज करने के सूत्र बनाने के साथ आपसी गुटबाजी को शांत करने की कोशिश में लगे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा लगातार पार्टी के पदाधिकारियों से फीडबैक ले रहे हैं। दिलचस्प है कि भाजपा ने कर्नाटक में अजमाए हुए चेहरों को विधानसभा चुनाव में सफलता पाने

की जिम्मेदारी सौंपी है। उ.प्र. विधानसभा चुनाव में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कड़ी मेहनत की थी। प्रधान को कर्नाटक में जिम्मेदारी मिली है और वह बेहद संवेदनशील हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के.अन्नामलाई ने भी जीत का समीकरण बनाने में जोर लगाया है। केन्द्रीय मंत्री शोभा करंदले, राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि और भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष की भी निगाह कर्नाटक पर टिकी है। भाजपा ने 2023 के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव के लिए जिन सीटों पर 2018 में हारे थे, उसे इस बार जीतने की रणनीति बनाई है। भाजपा मुख्यालय के एक नेता का दावा है कि 2023 में पुराना मैसूर क्षेत्र से भाजपा को 20 सीटें अधिक मिलने वाली हैं। हालांकि पुराना मैसूर का इलाका वोक्कालिगा बहुल है। भाजपा नेता डा. सीएन अश्वथनारायण भी वोक्कालिगा हैं। वोक्कालिगा को साधने के लिए भाजपा ने अश्वथनारायण को काफी अहमियत दी है। कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार भी वोक्कालिगा हैं। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और उनका परिवार वोक्कालिगा है। पुराने मैसूर में जबरदस्त पकड़ रखता है। डीके शिवकुमार भी कांग्रेस के बेहद प्रभावी नेता हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में पुराने मैसूर की 64 सीटों में भाजपा की केवल 11 मिली थीं। 17 कांग्रेस ने जीती थी। 37 जद (एस) के पाले में गई थी। जद (एस) कुल 37 सीटें जीतने में सफल रहा था। भाजपा की कोशिश इसी क्षेत्र में विपक्ष को पटरखी देखकर कम से कम 30-35 सीटें जीतने की है। वैसे भाजपा के नेता बातचीत में मानते हैं कि इस बार कर्नाटक में मुकाबला दिलचस्प होगा। हालांकि उन्हें लग

रहा है कि कांग्रेस की अंदरूनी कलह का बड़ा फायदा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने एक मीडिया हाऊस के संपादक गए थे। प्रधानमंत्री ने उनसे बातचीत के दौरान कहा था कि कर्नाटक में भी सरकार और भाजपा की स्थिति अच्छी नहीं है। माना जा रहा है कि चुनाव से पहले भाजपा अपनी सभी कमियों को दूर कर लेना चाहती है। भाजपा के रणनीतिकारों का कहना है कि उसे विपक्ष की कमजोरी और विपक्षी दल में अंतर्कलह का भी लाभ मिलेगा। कहते हैं कि कांग्रेस के नेता डीके शिवकुमार और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया में भी प्रतिस्पर्धा चल रही है। सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से आते हैं। डीके शिवकुमार की लोकप्रियता काफी बढ़ रही है। उनकी लोकप्रियता एचडी कुमारस्वामी को भी भीतर से परेशान करती है। डीके शिवकुमार वैसे भी पूर्व मुख्यमंत्री एस एम कृष्णा परिवार से करीबी संबंधों के लिए जाने जाते हैं। सिद्धारमैया कैपम डीके शिवकुमार को रोकने के लिए पूर्व मंत्री और लिंगायत नेता एम्बी पाटील को आगे कर देते हैं। भाजपा को लग रहा है कि कर्नाटक में उसे इसका फायदा मिलेगा।

कर्नाटक विधानसभा में कुल 224 सीटें है और सत्ता के लिए 113 सीटों की जरूरत होती है। विधानसभा चुनाव के नजीक़ से कर्नाटक को 6 भागों में बांटा जा सकता है। हैदराबाद से सीमाएं जुड़ने वाला क्षेत्र हैदराबाद कर्नाटक में 40 सीटें आती हैं। बॉम्बे कर्नाटक यानी महाराष्ट्र से लगे इलाके में 50 सीटें, तटीय क्षेत्रों में 19, मैसूर के इलाके में 65 सीटें आती हैं। वहीं सेंट्रल कर्नाटक में 22 और बेंगलुरु में 28 सीटें आती हैं। पिछली बार 2018 में हुए चुनाव का फायदा मिला था। भाजपा को 36।85% वोट मिले थे। कांग्रेस सबसे ज्यादा वोट (38।14%) लाने के बावजूद 80 सीटें ही ला सकी थी और जेडीएस को 37 सीटों पर जीत मिली थी। 2013 के चुनाव में भाजपा को महज 40 सीटें मिली थी। इस लिहाज से उसे 2018 के चुनाव में 64 सीटों का फायदा मिला था। 2013 के मुकाबले 2018 में भाजपा के वोट बैंक में करीब दोगुना का इजाफा हुआ था। हालांकि त्रिकोणीय समीकरण बनने की वजह से भाजपा बहुमत हासिल करने में नाकाम रही थी। वहीं 2018 के चुनाव में कांग्रेस को 42 सीटों का नुकसान हुआ। ऐसे तो भाजपा कर्नाटक में अकेले चुनाव लड़ना चाहेगी। लेकिन एक फैक्टर है जिसे भाजपा रोकना चाहेगी।



कविता

बच्चे घरों की जान होते हैं,
दीवारों के अब कान होते हैं।

बेईमानी ईमान है उनका अब,
बेईमानो के अलग ईमान होते हैं।

सियासत में होती है चालबाजी,
हुक्मरानों के कच्चे कान होते हैं।

पर्दा किया करो जितना हो सके,
रिश्तेदारों में हैवान होते हैं।

इबादत भी किया करो शिद्दत से,
खुदा कड़्यों से अनजान होते हैं।

चला करो सीधे रास्तो से हमेशा,
कई कई रास्ते सुनसान होते हैं।

कातिल भला बेखौफ क्यों है अब,
बचाने उन्हें सारे हुक्मरान होते हैं।

किस किस पर यकीन करोगे,
सगे रिश्ते में भी शैतान होते हैं।

पड़ोसियों से भी रखो अच्छे संबंध
मुसीबत में वो सच्चे ईंसान होते हैं।

मोहब्बत जिंदगी का इक फलसफा है संजीव,
कुछ नेक आंशिक बड़े कद्रदान होते हैं।।

संजीव ठाकुर

कैसे मिली होली को अखिल भारतीय पहचान

आर.के. सिन्हा
कोरोना के कारण दो-तीन सालों तक जनधड़कन के पर्व होली का रंग फीका सा पड़ने लगा था। होली मिलन समारोहों पर भी विराम सा लग गया था। पर इस बार लगता है कि देश रंगोत्सव को पुराने अंदाज में मनाने जा रहा है। होली के रंग फिजाओं में बिखरे हैं। कहीं गुलाल और गुजिया की खुशबू को तो कहीं दही बड़ा और मालपुआ के अनोखे स्वाद को हर तरफ महसूस किया जा रहा है। होली मिलन समारोहों की भी वापसी हो चुकी है। इनके आयोजन लखनऊ से रायपुर, मुम्बई तथा पटना से दिल्ली वगैरह में सभी जगह हो रहे हैं। सब एक-दूसरे से गले मिल रहे हैं। गिले-शिकवे भुलाए जा रहे हैं। यही मौका है कि जब विभिन्न दलों के तमाम राजनीतिक नेता भी अपने मतभेद भुलाकर एक साथ होली खेलें और राष्ट्र निर्माण में लग जाएं। आखिर यह देश तो सबका है। राष्ट्र के प्रति जिम्मेवारी भी सबकी ही है क एक दौर था जब होली पर अटल बिहारी वाजपेयी के आवास पर भव्य होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित होता था। उसमें तमाम राजनीतिक कार्यकर्ता, नेता, लेखक, पत्रकार, कवि आदि भाग लेते थे। अटल जी खुद सब अतिथियों को गुलाल लगाया करते थे। उनमें देश के मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी भाग लेते थे। वे तब भाजपा के संगठन से जुड़े हुए थे। इस अवसर पर सुस्वादु गुजिया और स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था रहती थी। अटल जी के घर पर

होने वाले होली मिलन की सारी व्यवस्था उनके आत्मीय सहयोगी शिव कुमार परीख जी किया करते थे। वे अटल जी के घर के स्थायी चेहरा थे। वे अटल जी के 111 साउथ एवेन्यू, 6 रायसीना रोड, फिर लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास और अंत में 6-ए कृष्ण मेन मार्ग के घरों में सुबह से देे? शाम या रात तक रहा करते थे। अटल जी राजधानी के इन सब घरों में माण्डूआ के अनोखे स्वाद को हर तरफ महसूस किया जा रहा है। होली मिलन के आयोजन में शामिल होने के लिए आने वाले अतिथियों के लिए शिव कुमार परीख जी चांदनी चौक के घंटे वाले या गोल मार्केट के बंगला स्वीट हाउस की बालूशाही अवश्य मंगवाते। अटल जी का व्यक्तित्व भी तो बेहद उदार और विराट था। वे सर्वप्रिय थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी के पृथ्वीराज रोड स्थित आवास पर भी होली बड़े प्रेम से खेली जाती रही है। आडवाणी जी के घर भी होली का रंग शालीनता के दायरे में ही रहता है। आडवाणी जी जब राजधानी के पंडारा पार्क में रहते थे तब वहां पर भी होली कायदे से मनाई जाती थी। होली पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सरकारी आवास 1, सफदरजंग रोड के गेट भी सबके लिए खुल जाते थे। इंदिरा गांधी मेहमानों को स्वादिष्ट मिठाइयां खिलाती थीं। पर 1980 के बाद इंदिरा जी के होली मिलन पहले की तरह भव्य नहीं रहे गए थे सुरक्षा कारणों के चलते।



चिंतन

चंग की ताल पर होली का लुप्त उठाते हैं लोग

रमेश सर्राफ धमोरा

बसंत पंचमी के दिन से ही राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में होली का हल्ला शुरू हो जाता है। क्षेत्र के हर गांवों के मोहल्लों में अपनी- अपनी चंग (ढफ) पार्टी होती है। चंग बजाने के साथ धमाल गाने का सिलसिला बसंत पंचमी से शुरू होकर गणगौर तक चलता है। चंग वादन की अभिव्यक्ति इतनी प्रभावशाली होती है की ढफ पर थाप पड़ते ही लोगों को नाचने पर मजबूर कर देती है। चंग के साथ गाये जाने वाले लोक गीतों की धमाल के नाम से जाना जाता है। इन धमालों में होली से सम्बन्धित स्थानीय किस्से, कहावतें होती है जिनका धमाल के रूप में गायक वर्णन किया जाता है। होली के दिनों में बजाये जाने वाले

चंग के साथ धमाल व होली के गीत गाये जाते हैं। पुरुष चंग को अपने एक हाथ से थामकर और दूसरे हाथ से छड़ी के टुकड़े से व हाथ की थपकियों से बजाते हैं। साथ में झांझ, मंजीर बजाते रहते है। एक घेरा बनाकर लोग धमाल गाते हैं। इसमें भाग लेने वाले पुरुष ही होते हैं, किंतु उनमें से कुछ पुरुष महिला वेष धारण कर नाचते हुये लोगों का मनोरंजन करते हैं। चंग वादन के बीच में गांव के पुरूषों द्वारा विभिन्न प्रकार के सांग निकाले जाते हैं। गांवों में ढफ मण्डली की कोई विशेष वेश-भूषा नहीं होती है। लोग प्रतिदिन पहनने वाले कपड़े पहनकर ही ढफ बजाते हैं। ढफ वादन का आयोजन रात को होता है। ढफ वादन बहुत ही अनुशासित, व्यवस्थित तरीके

से होता है। शेखावाटी इलाकों में देर रात तक ढफ की थाप पर गुंजती होली की धमाल फाल्गुनी रंग को परवान चढ़ा देती है। गांवों की चौपालों पर रसिकों की टोलियां ढफ की थाप पर थिरकते हुए दिखाई देती है। कलाप्रेमी होली तक चलने वाले इन आयोजनों में धमालों की टेर लगाते हैं। जो देखने-सुनने वालों की क्षेत्रीय संस्कृति के आनंद की अनुभूति करवाती है।

पहले गांवों में होली के दिनों में औरते घरों के बाहर चौक में इक्कटी होकर होली के गीत गाती थी जिन्हे क्षेत्र में होली के बधावा गाना कहा जाता है। हालांकि अब ये नजारे कम ही देखने को मिलते हैं। शेखावाटी में दूढ़ का चलन अभी भी व्याप्त है।



विचार

चुनाव आयुक्त और अडानी मामले सुप्रीम कोर्ट का नजरिया

प्रेम शर्मा

सुप्रीमकोर्ट ने हाल में चुनाव आयुक्त, और आयुक्त की नियुक्ति तथा अडानी हिडनबर्ग मामले में जो फैसले सुनाए हैं उसके दूरगामी और देशहित के परिणाम सामने आएंगे। निश्चित तौर से हिडनबर्ग का मामला सरकार की प्रतिष्ठा से जुड़ा है। भारत की तेजी से उभरती अर्थ व्यवस्था चीन जैसे राष्ट्रों के लिए किरकिरी, ईप्सा का पर्याय साबित हो रही थी। ऐसे में हिडनबर्ग की रिपोर्ट पर एकाएक विश्वास कर लेना वाजिब नही था। एक रिपोर्ट के आधार पर देश विदेश तक लगभग हर क्षेत्र में भारी भरकम निवेश कर इफास्टेक्कर खड़ा करने वाली अडानी फर्म के किर्तने व्यापारिक दूश्मन है। इसकी गिनती भी नही होगी। ऐसे में प्रतिस्पर्धा की दौड़ में अगर साजिशन यह रिपेट तैयार कर अडानी और भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुचाने की कोशिश की गई हो तो इस बॉत को नजर अंदाज नही किया जा सकता। इस तरह के तमाम पहलुओं और विपक्ष की तमाम याचिकाओं के बाद सुप्रीम का जो निर्णय आया है। वह वाकई सुप्रीम का सुस्पष्ट नजरिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जिस तरह से समिति गठित कर चुनाव आयुक्त की नियुक्ति का निर्णय लिया है उससे चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में पारदर्शिता रहेगी। भारत एक लोकतांतिक देश है जिसके लोकतंत्र की पूरे विश्व में चर्चा होती है। ऐसे देश के चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया में अव

तक पैदा होने वाले संशय को खत्म करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्णय लिया है। निश्चित तौर सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने बीते गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया पर जो ऐतिहासिक फैसला दिया, वह निश्चित रूप से देश में लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला है। इस फैसले ने पिछले सात दशकों से चले आ रहे उस शून्य को भरा है, जो संसद के समय पर उपयुक्त पहल न करने की वजह से बना हुआ था। जैसा कि फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा, संविधान निमाताओं को उम्मीद थी कि देश की संसद कानून बनाकर मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के एक वाजिब प्रक्रिया निर्धारित कर देगी। मगर सत्तारूढ़ पार्टियां संभवतः अपने हाथ से यह ताकत निकलने देना नहीं चाहती थीं और उनके प्रभाव में संसद अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा करने से परहेज करती रही। यही वजह है कि 1990 में एक बार जब राज्यसभा में इस आशय का संविधान संशोधन विधेयक पेश किया भी गया तो बात नहीं बनी तबरा सल तक ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद यह विधेयक चुपचाप वापस ले लिया गया। इसके बाद 2015 में लॉ कमिशन ने भी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की सदस्यता वाली एक समिति बनाने की सिफारिश की थी। लेकिन इसका भी कोई नतीजा नहीं निकला। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त की

सरकार द्वारा नियुक्ति की अब तक प्रचलित प्रक्रिया में साफ तौर पर हितों का टकराव था चुनाव आयोग देश में मतदाता सूची तैयार कराने से लेकर चुनाव संचालित कराने तक की जिम्मेदारी निभाता है, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी का हित-अहित भी जुड़ा होता है। इसलिए कायदे से सरकार यानी कार्यपालिका को मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से दूरी बनाए रखनी चाहिए। यह न केवल निपक्ष चुनाव कराने बल्कि खुद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए भी जरूरी है-इन्हीं बातों का ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपने ताजा फैसले में लॉ कमिशन की सिफारिशों के अनुरूप ही मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की नई प्रक्रिया निर्धारित कर दी। कोर्ट ने संदेह की कोई गुंजाइश न रखते हुए यह भी कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष उपलब्ध न हों तो सदन में विपक्ष के सबसे बड़े दल के नेता को इस समिति में शामिल किया जाना चाहिए।इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी ध्यान रखा कि चुनाव आयोग को पैसों के लिए सरकार का मोहताज न होना पड़े। आयोग के लिए बजट की अलग और स्वतंत्र व्यवस्था करना निश्चित रूप से सरकार पर उसकी निर्भरता कम करेगा। हालांकि व्यवहार में इन सबका कैसा और कितना असर होता है, यह तभी पता चलेगा जब यह प्रक्रिया लागू होगी।

मंगल के सपने और पाँव खींचे अपने

डॉ. सुरेश कुमार

'**क्या** मैं जानां कहीं से कहीं पहुँच गया और आप हैं कि अभी भी दकियानूसी बातों में उलझी पड़ी हो। मुझे वैज्ञानिक बनने के लिए कहती हो। आसमान के सपने दिखाकर अंधविश्वास वाली बातों से जमीन पर पटकने वाला व्यवहार रोकती हो। अभी आप भैया के साथ बैठने से रोक रही थी, अब आरती में जाने से रोक रही हो, यह मत करो, वह मत करो, ऐसा क्यों मम्मी?'...इस नादान प्रश्न के जवाब में मां लेटेस्ट जमाने का हाईफाई स्मार्टफोन थामे, अकिनन टॉप-जिंस पहने बस इतना ही कह पाती है, "यही औरतों की नियती है बेटी।" बदले में बेटी ने पूछा आखिर औरतों की नियती क्या है माँ? क्या चाँद-सितारों को नापने वाली सदा में जब हम अडबसां सोच के खाम मंगल पर घर बसाने की सोच रहे हैं, उस समय औरतों को मासिक धर्म के नाम पर यह मत करो, वह मत करो कहना कहीं तक ठीक है। यहाँ तक कि पाठशाला में बॉयोलॉजी में इसके बारे में एक चैचर भी है। अध्यापिका हैं कि सह-शिक्षा के कारण अध्याय पढ़ाने से बच-बचाकर आगे बढ़ गयीं। पढ़े-लिखों की यह हालत है तो अनपढ़ों की पूछिए ही मत। महिला दिवस के नाम पर

लवे-चौड़े भाषण देते हैं। कहते हैं कि औरत फलाना-फलाना क्षेत्र में तीर मार रही हैं और जमीनी हकीकत यह है कि वह मासिक धर्म के समय एक औरत दूसरी औरत को अंधविश्वास के पाठ पढ़ा रही है। जो चीज जितनी छिपाई जाती है उसके प्रति लोगों की जिज्ञासा उतनी ही बढ़ती है। हम बोलने में कुछ और आचरण में कुछ हैं। औरत दुनिया तो जीत सकती है लेकिन घर की चौखट के भीतर कई बार हार जाती है। यह हार उस समय और चुपती है जब हराने अपना ही कोई हो। माँ कुछ कहना चाहती थी, लेकिन बेटी अपनी निरभरा कम करेगा। हालांकि देश दुनिया को स्मार्ट बनाने के चक्कर में दिया तले अंधेरा जैसी हरकत वाले अंधविश्वास मासिक धर्म को प्रकृति का नियम न मानकर शर्म का कारण मानते हैं। लाख छुपाई छुपाई कर लो लेकिन मासिक धर्म को पाप के रूप में ही देखा जाता है। सबसे डूँट छिपाते फिरो। न जाने ऐसा कौन सा पाप कर दिया है कि सिर उठाकर समाज में बॉयोलॉजी में इसके बारे में चाल भी नहीं सकती। यह समाज पुरुष के चोर-उच्चका, बलात्कारी होने पर एक बार के लिए सम्मान दे सकता है, लेकिन लड़की मासिक धर्म में हो तो घृणा की दृष्टि से देखते हैं।

न्यूज़ फ्लैश

अगले महीने तक प्रदेश में पूरा संगठन घोषित कर देंगे : ढांडा



राई। रविवार को दिपालपुर गांव स्थित हन्नी स्पोर्ट्स अकेडमी में राई हलके से समाजसेवी मास्टर सतनारायण आतिल आम आदमी पार्टी में शामिल हुए। इस मौके पर जनसभा में हलके से काफी संख्या में पहुंचे। आम आदमी पार्टी के मुख्यामंत्री अरविन्द केजरीवाल के राजनीतिक सलाहकार अनुराग ढांडा व संगठन मंत्री प्रवीन प्रभाकर गौड़ की मौजूदगी में आम पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए और साथ दर्जनों युवाओं बुजुर्गों ने पार्टी का पटका व टोपी पहनाकर पार्टी में शामिल करवाया। इससे पूर्व राजनीतिक सलाहकार अनुराग ढांडा व संगठन मंत्री प्रवीन प्रभाकर गौड़ को मास्टर सतनारायण के नेतृत्व में युवाओं का काफ़िला ढोल नगाड़ो व फूलमाला पहनाकर उत्साह से मंच तक लेकर गए। उसके बाद मास्टर सतनारायण ने सभी अतिथियों को पटका व टोपी पहनाकर स्वात किया। समाजसेवी मास्टर सतनारायण आतिल ने विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हलके के लोगों के प्यार व उत्साह को देख बहुत खुश हूँ। इतनी बड़ी संख्या में पहुंची मेरी माता, बहनों, बुजुर्गों व युवाओं ने सभा में पहुंचकर उन्हें अपना आशीर्वाद दिया है। वे उनके प्यार व अहसान को कभी नहीं भूलेंगे। जनता ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया तो वे उनको की लड़ाई लड़कर उनका हक दिलाएंगे। हलके की प्रदेश में विशेष पहचान होगी। इतनी अच्छी पार्टी इस देश में आई है। मंच पर समाजसेवी मास्टर सतनारायण आतिल के दामाद गुलशन दहिया ग्री बाला निवासी का डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में छाने पर नोटो की माला पहनाकर स्वागत किया। डब्ल्यूडब्ल्यूई के रिंग में गुलशन दहिया उर्फ सेन ने चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित मेघा रेसलिंग शो में तीन रेसलर को एक साथ हराकर ट्रॉफी जीती।

समाज को लेकर जिम्मेदारी का एहसास होने के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ी : त्यागी



गन्गीर। रविवार को होली मिलन एवं अभिनंदन समारोह रेलवे रोड स्थित एक गार्डन में त्यागी ब्राह्मण महासभा गन्गीर की ओर से आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि के तौर जजपा हलका अध्यक्ष अनिल त्यागी, नृपाध्यक्ष अरुण त्यागी व पंडित राजकुमार शर्मा ने शिरकत की और भगवान परशुराम की प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता त्यागी ब्राह्मण महासभा के प्रधान महाबीर सिंह बजाना ने की। अतिथियों को पटका व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान स्कूली छात्राओं ने सांस्कृतिक रंगारंग प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। मुख्यातिथि जजपा हलका अध्यक्ष अनिल त्यागी ने कहा कि त्यागी ब्रह्मण समाज ने एक सराहनीय पहल की है। समाज को लेकर जिम्मेदारी का एहसास होने के साथ ही आज समाजसेवा के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ी है। हालांकि, यह अब भी असांगठित होकर कार्य कर रहे हैं। जिसके कारण समाज में झगदा सकारात्मक बदलाव नहीं दिख रहा है।

भगत हॉस्पिटल द्वारा निशुल्क जांच शिविर का किया गया आयोजन

अम्बाला (मनीष कुमार)
अम्बाला शहर के लखनोर साहिब गुरुद्वारा में आज भगत हड्डियों व आँखों के हस्पताल द्वारा निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ.मुकेश भगत (ओर्थो) और डॉ.अनीता कुमारी (ऑफ्थैमोलॉजिस्ट) ने लगभग 165 मरीजों की जांच की। शिविर के दौरान हड्डियों की मजबूती (बीएमडी) की जांच अत्याधुनिक मशीन द्वारा की गयी। डॉ.मुकेश कुमार ने मरीजों को हड्डियों की



मजबूती , और जोड़ों के समन्धित जानकारी दी व डॉ.अनीता ने आँखों की जांच करते हुए मरीज को आँखों के रख रखाव और

बचाव के बारे में समझाया। साथ ही शिविर में मुफ्त बीपी,शुगर आदि की जांच की व दवाइयां भी वितरित की गईं।



नाना-नानी से मिलते हैं। बच्चे अपने ग्रैंडपेरेंट्स के बहुत लाडले होते हैं। उनके साथ बहुत सुरक्षित महसूस करते हैं। हमें सदा उनका सम्मान करना चाहिए। कार्यक्रम में आए दादा-दादी, नाना-नानी का स्वागत वेलकम सॉन्ग से किया गया। उनका अभिनंदन बच्चों ने अपने

अंदाज में पूरे आदर भाव के साथ किया। नर्सरी के छोटे-छोटे बच्चों ने "हैप्पी" सॉन्ग के माध्यम से अपने ग्रैंडपेरेंट्स के प्रति अपने प्रेम भाव को दिखाया, जिसको देखकर सभी अति प्रसन्न हुए। बच्चों ने "रेट्रो डांस" की प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने 60-70 के दशक के गीतों पर सुंदर डांस

प्रस्तुत किया ,जिसने ग्रैंडपेरेंट्स में भी जोश व उत्साह भर दिया। बच्चों ने दादा-दादी व स्वर्ग जैसा घर के विषय में डांस के माध्यम से बताया। उनकी जिंदगी में व परिवार में बड़े बुजुर्गों की क्या अहमियत है यह बताया। बच्चों ने गुजराती डांस गरबा प्रस्तुत किया ,जिसमे बच्चों का जोश व

एचएसजीएमसी महासचिव ने किया औचक निरीक्षण

अंबाला (मनीष कुमार)
हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के महासचिव गुरविंदर सिंह एवं कवलजीत सिंह अजराना ने ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब अंबाला शहर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां साफ-सफाई का प्रबंध एवं अन्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए संगत से भी बातचीत की। उन्होंने संगत से गुरुद्वारा साहिब के प्रबंध हेतु कुछ सुझाव भी लिए और उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या तो नहीं आ रही, इस बारे में भी पूछा गया। यही नहीं, उन्होंने कर्मचारियों से भी बातचीत करते हुए प्रबंध को ओर भी बेहतरीन



बनाने के लिए उचित दिशा-निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने कर्मचारियों से सुझाव भी मागे। महासचिव ने इंजिनियर बलबीर सिंह द्वारा गुरुद्वारा साहिब के लिए भेंट किया गया लाखों रुपये का जरनेटर का भी उद्घाटन किया। उन्होंने इंजिनियर

हरियाणा की गुरुद्वारा साहिबान की सेवा संभालने के बाद एचएसजीएमसी के प्रमुख कार्यालय के बारे में भी जिक्र किया। उन्होंने बातचीत करते हुए बताया कि जल्द ही संस्था का प्रमुख कार्यालय कुरुक्षेत्र में तैयार कर दिया गया जाएगा। कार्यालय को बेहतरीन ढंग से बनाया जाएगा, जिसमें उच्च तकनीक का प्रयोग होगा। कार्यालय में हाई स्पीड इंटरनेट, अमला शाखा, शोशल मीडिया विंग, लाईब्रेरी, सूचना कार्यालय सहित अन्य सुखाएं स्थापित की जाएंगी। यही नहीं, सिख मिशन हरियाणा में स्थापित श्री गुरु रामदास निवास (सरां) की भी

कायाकल्प किया जाएगा। सरां के कमरों का नवीनीकरण किया जाएगा। कुछ कमरों का नवीनीकरण जोरशोर से चल रहा है और शेष कार्य भी जल्द ही करवाया जाएगा। इसके उपरांत पूरी सरां में रंग-रोगन करवाया जाएगा और कमरों के अंदर अलमारी, कुर्सियों व अच्छे बैड भी मुहैया करवा दिए जाएंगे। सरां की कायाकल्प कर कम से कम तीन सितारा तर्ज पर बनाने का प्रयोजन तैयार है, जिसे अमलीजामा पहनाने के लिए इयूटियां लगा दी गई हैं। उन्होंने बताया कि बहुत कम शुल्क में संगत को रिहायश की सुविधा मुहैया करवाई जाएगी।

'आत्मनिर्भर भारत स्वस्थ भारत और सुदृढ़ भारत' को लेकर रैली निकाली



पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
जीटी रोड स्थित आईबी पीजी महाविद्यालय में एनएसएस यूनिट द्वारा खोतपुरा गांव में सात दिवसीय स्पेशल कैंप का दूसरा दिन का आयोजन किया गया । प्रातः कालीन सत्र में स्वयं सेवक सागर और हिमांशु ने सभी स्वयंसेवकों को योगा और मेडिटेशन करवाया गया । उसके बाद स्वयं सेवकों से सफाई अभियान शुरू करवाया । उसके पश्चात गांव खोतपुरा में "आत्मनिर्भर भारत स्वस्थ भारत और सुदृढ़ भारत" पर पूरे गांव में स्वयंसेवकों द्वारा रैली निकाली गई। रैली

के पश्चात स्वयंसेवकों ने गांव के हर घर में जाकर प्रत्येक लोगों को नशा मुक्ति के बारे में जागरूक किया। वहीं गांव खोतपुरा में पूर्व सरपंच हरिराम द्वारा सबको नशा मुक्ति के बारे में अवगत करवाया गया। सायंकालीन सत्र में एडवोकेट डॉ अजय पंवार द्वारा स्वयं सेवकों को नशा मुक्ति के बारे में अवगत करवाया करवाया गया । उन्होंने विद्यार्थियों को यह भी बताया कि अगर हम सब किसी भी अच्छे काम को करने की ठान ले तो हमें कोई भी नहीं रोक सकता।

'कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं'

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया
महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय करनलाल के क्षेत्रीय मशरूम अनुसंधान केंद्र मुख्थल में मशरूम उत्पादन प्रसंस्करण व विपणन विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत समापन हुआ। प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए करीब 36 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिन्हें मुख्य अतिथि स्वामी दयानंद सरस्वती ने सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि भारतवर्ष दो चीजों से जाना जाता है, एक है ऋषि, दूसरा है कृषि। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं।



उम्मीद है कि प्रतिभागियों ने पांच दिवसीय कार्यशाला में पूरा ज्ञान हासिल किया है, जिसे वे कृषि के क्षेत्र में लगाएंगे, जिससे देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि देश का किसान खुशहाल होगा तो तो देश आगे बढ़ेगा। प्रतिभागियों को

प्रशिक्षण हासिल कर कृषि को ओर बढ़ाना है। क्षेत्रीय मशरूम अनुसंधान निदेशक डॉ. अजय सिंह ने प्रतिभागियों को बताया कि मशरूम की खेती कर युवा, किसान, महिलाएं न केवल सफल उद्यमी बन सकते हैं बल्कि

अपनी आय को अन्य फसलों के मुकाबले तीन गुणा बढ़ा सकते हैं। मशरूम की खेती कम जमीन में भी की जा सकती है, लेकिन मशरूम की खेती को प्रशिक्षण लेकर किया जाए तो ये काफी बेहतर साबित होता है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर एमएचयू द्वारा निःशुल्क प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाता है, जो लगातार चलता रहता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया वे एमएचयू द्वारा बागवानी के अंतर्गत आने वाली विभिन्न फसलों के बारे में प्रशिक्षण प्राप्त करें, जो आय को बढ़ाने में सहायक होगा। मंच संचालन डॉ. हरजोत सिंह ने किया। मौके पर डॉ. मुनीष कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए: कृष्ण छौक्कर



पानीपत/टीम एक्शन इंडिया
तीन बाण धारी श्री श्याम परिवार समालखा द्वारा आयोजित बाबा खाटूश्याम की यात्रा में बतौर मुख्यातिथि भाजपा जिला महामंत्री कृष्ण छौक्कर ने सम्मलित होकर रथ को खिचकर यात्रा को रवाना किया। इस मौके पर कृष्ण छौक्कर ने कहा हमें धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना

चाहिए ' यात्रा में स्वामी विकास दास महाराज ने भक्तों को आशीर्वाद दिया ' इस अवसर पर आयोजक कर्ता समाजसेवी सचिन मित्तल, श्याम प्रेमी मन्न् छाबड़ा, अजय गर्ग पार्षद ,कप्तान छौक्कर, सुभाष कुहाड़,अमन छौक्कर, पिकी गर्ग, विपिन छाबड़ा सहित हजारों श्याम श्रद्धालु मौजूद थे।

जेसीआई की महिला टीम "ब्रेक द बाएस" का करेगी आयोजन

अम्बाला (मनीष कुमार)
जेसीआई अम्बाला की महिला टीम द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला दिवस महा-साह 'ब्रेक द बाएस" का आयोजन किया जाएगा। इस साहस में प्रथम प्रोजेक्ट के अंतरगत महिला टीम द्वारा कार रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में महिला एवम पुरुष के समान अधिकारों के लिए जागरूक करना रहा। यह रैली सुभाष पार्क से शुरू हो कर निकल्सन रोड, सदर बाजार एवम राय मार्किट से होते हुए सिविल अस्पताल, जगाधरी रोड पर इसका समापन हुआ। इस दौरान सभी गाड़ीयों महिलाओं ने चलाई और यह संदेश देने की कोशिश की कि महिलाएं भी अच्छी ड्राइवर हो सकती हैं। इस दौरान महिलाओं ने अलग-



अलग सलॉगन्स के द्वारा महिला एवम पुरुष की समानता के लिए जागरूक किया। इस आयोजन के बाद गर्ग पूरी बाला, जगाधरी रोड पर नाश्ते का इंतजाम किया गया। इस दौरान जेसीआई अम्बाला की महिला जेसीस टीम की प्रधान जेसी किन्नी गुप्ता, सचिव दीपाक्षी अरोड़ा, क्रिएटिव हैड अश्रिता मित्तल, फर्सट लेडी जेसी रीया अग्रवाल, जेसी करुणा अग्रवाल,

जेसरेंट नीधी त्रेहान, जेसी मीनाक्षी गुप्ता, जेसरेंट रीमी गुप्ता, जेसरेंट रजनी बाला, जेसरेंट सिमरनप्रीत कौर, जेजे आदिका गुप्ता, प्रधान जेसी लक्षित अग्रवाल, आईपीपी जेसी शशांक अग्रवाल, उप-प्रधान जेसी विष्णु अरोड़ा एवम जेसी अंशु मित्तल, जेसी विवेक गुप्ता, जेसी दरवीर सिंह, जेसी सौरभ गुप्ता, जेसी गौरव गुप्ता आदि मौजूद रहे।

स्वर्गीय दिनेश प्रधान की याद में दंगल करवाया



समालखा कमाल हुसैन स्वर्गीय दिनेश प्रधान की याद में श्याम बाबा मंदिर गांव चुलकाना में दंगल करवाया गया। जिसमें 11 हजार रुपए की दो कुश्ती करवाई गई ' दंगल का आयोजन स्वर्गीय दिनेश प्रधान के छोटे भाई बिल्लू चुलकाना ने करवाया ' विजेता खिलाड़ियों को समृति विजय देकर सम्मानित किया गया ' इस मौके बिल्लू ने बताया दंगल के अलावा भी वह अपने भाई की याद में हर साल और भी अन्य कार्यक्रम करवाते रहते

जीन को नियमित कर किडनी को बीमारी से मुक्त कर रही नीरी केएफटी : अध्ययन

नई दिल्ली: मानव जीन पर हो रहे अनुसंधानों से बीमारियों के प्रभावी उपचार के नये रास्ते खुल रहे हैं। इसी तरह के एक शोध में पता चला है कि आयुर्वेद का एक फार्मूला नीरी केएफटी किडनी की बीमारियों के लिए जिम्मेदार छह जीन के व्यवहार को नियंत्रित करने की क्षमता रखता है। इससे किडनी की बीमारियों के बचाव और उपचार को नई दिशा मिल सकती है। शिव किडनी दिवस पर बायोमेडिसन जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक नीरी केएफटी का संसार जानने के लिए जाम्बिया हनुमंद विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एक्सीलेस में यह शोध किया गया जिसे तीन अलग अलग तरीकों से किया गया। इन सभी के नतीजे बेहद सकारात्मक रहे हैं। अध्ययन के लिए नेबल सेंटर फार सेल साइंसेज (एनसीसीएस) से किडनी की कोशिकाएं एचडूके 293 मॉडै गईं। शोभाथियों ने बताया कि नीरी केएफटी का निर्माण एमिल फार्मस्यूटिकल्स ने लंबे अनुसंधान के बाद किया है। यह पुनर्नवा, गोखरू, वरुण, कासनी, मकोय, पलाश तथा गिलोय समेत 19 जड़ी-बूटियों से बनी है। एमिल फार्मस्यूटिकल के कार्यकारी निदेशक डा. सचिंत शर्मा ने कहा कि यह शोध साबित करता है कि नीरी केएफटी किडनी उपचार के साथ-साथ उसे स्वस्थ बनाए रखने में भी प्रभावी है। अध्ययन के अनुसार, नीरी केएफटी को किडनी की अनेक बीमारियों के लिए जिम्मेदार छह जीन सीएसपी, आईएल, एजीटीआर-1, एफटी, एसीडी-2 तथा एसओडी-1 के व्यवहार को नियंत्रित करने में कारगर है। दरअसल, ये जीन किडनी की कार्यविधि के नियंत्रण के लिए जिम्मेदार हैं। जीन के व्यवहार से तात्पर्य किसी जीन में उपरिष्ठत सुचना के प्रयोग से उत्पादन होना है। जो आमतौर पर प्रोटीन होते हैं। ये प्रोटीन किसी न किसी रोग में किडनी को संहत कर बनाए रखने में कारगर होते हैं।

पुलिस डीएवी स्कूल में गैड पेरेंट्स-डे पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

अम्बाला (मनीष कुमार)
पुलिस डीएवी पब्लिक स्कूल, अंबाला शहर के ऑडिटोरियम में नर्सरी विंग में गैडपेरेंट्स डे के अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बच्चों के दादा-दादी, नाना-नानी को आमंत्रित किया गया। बच्चों ने सभी गैडपेरेंट्स का स्वागत तिलक लगाकर और मौली पहना कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ इ-लाइटनिंग व डीएवी गान से किया गया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. विकास कोहली ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने बताया कि गैडपेरेंट्स की परिवार में खास जगह होती है परिवार के संस्कार हमें हमारे दादा-दादी व



अंदाज में पूरे आदर भाव के साथ किया। नर्सरी के छोटे-छोटे बच्चों ने "हैप्पी" सॉन्ग के माध्यम से अपने ग्रैंडपेरेंट्स के प्रति अपने प्रेम भाव को दिखाया, जिसको देखकर सभी अति प्रसन्न हुए। बच्चों ने "रेट्रो डांस" की प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने 60-70 के दशक के गीतों पर सुंदर डांस

उत्साह देखते ही बनता था। सभी बच्चे गरबे की पोशाक में बहुत सुंदर लग रहे थे। ढोल व डाडियां के प्रयोग से उन्होंने अति सुंदर मनमोहक प्रस्तुति दी। इसके बाद बच्चों ने पंजाबी डांस से समा बांध दिया। पंजाबी डांस के माध्यम से उन्होंने परिवार की अहमियत बताई। परिवार के प्रत्येक सदस्य की घर में क्या अहमियत होती है यह बहुत सुंदर तरीके से प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति में दर्शक भावुक हो गए। उन्होंने बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुति की सराहना की। अंत में कृष्णा डांस ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। इसमें राधा कृष्ण की लीलाओं को बहुत सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया।

युवा विकास मंडल ने जल बचाओ अभियान कार्यक्रम का किया आयोजन

सोनीपत/टीम एक्शन इंडिया
नेहरू युवा केन्द्र सोनीपत के तत्वावधान में युवा विकास मंडल खरखौदा के द्वारा जल बचाओ अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी श्री नवीन गुलिया जी के नेतृत्व में बढ़चढ़ कर युवाओं ने भाग लिया गुलिया जी ने युवाओं को बताया कि होली का उत्सव रंगों का त्योहार है जिसमें पानी का खूब ज्यादा इस्तेमाल होता है होली के उत्सव को सूखे रंगों और फूलों से खेलना चाहिए ताकि जितना ज्यादा हो पानी का उपयोग कम



से कम हो और पानी का बचाव हो सके, क्योंकि अब पीने लायक पानी धरती पर कम मात्रा में बचा हुआ है इसलिए हम सब को पानी का इस्तेमाल सोच विचार कर करना चाहिए। इस त्योहार को आपसी सहयोग

और भाईचारे के साथ मनाना चाहिये इस दौरान युवा विकास मंडल के अध्यक्ष कुलदीप ने पानी बचाने की शपथ ग्रहण करवाई इस दौरान नेहरू युवा केन्द्र से सर्वसेवक मयंक राणा भी मौजूद रहे।

	4	3	9
4	3	2	1 5

कुलुवी - 2008 का

8	7	9	4	2	5
5	6	3	8	1	7
4	1	2	6	9	3
1	9	8	3	7	4
7	3	4	2	5	6
2	5	5	1	8	9
9	8	5	7	3	2
5	2	7	9	4	1
3	4	1	5	6	9

ऑल इंडिया लक्ष्य चैम्पियंस ट्रॉफी : पूर्वोत्तर रेलवे और लाइफ केयर के बीच होगा फाइनल मुकाबला

लखनऊ। ऑल इण्डियन प्राइज मनी लक्ष्य चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता में सेमीफाइनल मुकाबले हुए। पहले पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने सीएजी की टीम को रोमांचक मुकाबले में चार रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में लाइफ केयर उग्र की टीम ने लक्ष्य एकेडमी की टीम को 56 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। रेलवे क्रिकेट ग्राउंड पर सीएजी की टीम के कप्तान ने टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे की टीम ने निर्धारित 40 ओवरों में सभी विकेट खोकर 171 रनों का स्कोर खड़ा किया। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रशान्त अक्छी ने 45, शुभम चौधे ने 31 रन का योगदान दिया। सीएजी के शुभम शर्मा 4 अप्रिंत और एम. दत्ता ने दो-दो विकेट, शुभम ने एक विकेट लिया। जवाब में सीएजी की टीम पूर्वोत्तर रेलवे के कसी गेंदबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण के बदौलत 167 रनों पर आउट हो गई। सीएजी के किशन 28, सुबोध भाटी, 27 व गुरविंद ने 25 रनों का योगदान दिया। पूर्वोत्तर रेलवे के सीरम दूबे ने तीन विकेट, शिवम दीक्षित, सीरम कश्यप ने दो दो विकेट व युवराज सिंह ने एक विकेट लिया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मैच में लाइफ केयर उत्तर प्रदेश की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37वें ओवरों में सभी विकेट खोकर 243 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

क्रिकेट क्लब कटड़ा ने नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब को हराया

कटड़ा। कटड़ी प्रीमियर लीग टी20 में दोपहर बाद दूसरा मैच नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब तथा सेरेबड क्रिकेट क्लब कटड़ा के मध्य मैच हुआ। इसमें सेरेबड क्रिकेट क्लब कटड़ा ने नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब को हराकर अगले दौर में प्रवेश कर लिया। सेरेबड क्रिकेट क्लब कटड़ा ने टास जीतकर बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। सेरेबड कटड़ा की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन बनाए। बल्लेबाज नितिन ने 36 बॉल में 61 रन बनाए जिसमें 11 चौके शामिल थे। तो वहीं दर्शन ने 33 बॉल में 34 रन का योगदान दिया जिसमें 4 चौके शामिल थे। नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाज मनिंदर के सखी ही अजीत तथा रागुन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

वहीं लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब की टीम 19 ओवर 2 बॉल में 121 रन बनाकर आउट हो गई। इस तरह से सेरेबड क्रिकेट टीम ने यह मैच 62 रन से जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया। नारायणा सुपर स्पेशलिटी क्रिकेट क्लब की ओर से बल्लेबाज प्रिंस ने 24 बॉल में 25 रन बनाए जिसमें 2 चौके और एक छक्का शामिल था तो वहीं आकाश ने 21 बॉल में 24 रन का योगदान दिया जिसमें 2 चौके और एक छक्का शामिल था। सेरेबड क्रिकेट क्लब की ओर से गेंदबाज दर्शन ने 4 ओवर में 30 रन देकर दो विकेट हासिल किए। जबकि निखिल ने 3 ओवर में 15 रन देकर दो विकेट हासिल किए। साहिल ने 3 ओवर में 19 रन देकर दो विकेट हासिल किए। इसी तरह नितिन ने एक विकेट हासिल किया।

सानिया मिर्जा ने हैदराबाद में खेला फेयरवेल मैच:टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना सहित फैमली

हैदराबाद। भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने रविवार को हैदराबाद में अपना फेयरवेल मैच खेला। पिछले महीने संन्यास ले चुकी सानिया मिर्जा ने दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में अपने करियर का आखिरी प्रोफेशनल मैच खेला था, हालांकि वे टूर्नामेंट नहीं जीत सकीं। उस मैच के बाद सानिया मिर्जा ने अपनी सोशल पोस्ट में कहा था- मेरे सभी दोस्त, मेरा परिवार और प्रशंसकों के सामने मैं आखिरी बार खेलूंगी। लाल बहादुर स्टेडियम में सानिया मिर्जा का फेयरवेल मैच देखने के लिए उनके दोस्त रोहन बोपन्ना, फैमली मेंबर, फैंस के साथ बॉलीवुड कलाकार मौजूद हैं।

2 प्रदर्शनी मैच- मिक्सड डबल्स के लिए बोपन्ना को जोड़ीदार बनाया

रविवार को सानिया अपने फेयरवेल के दौरान 2 प्रदर्शनी मैच खेलेंगी। पहले मैच में अफिनेहा, क्रिकेटर और टेनिस प्लेयर शामिल होंगे। एक का नेतृत्व सानिया करेंगी, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व उनके आखिरी ग्रैंड स्लैम में पार्टनर रहे रोहन बोपन्ना करेंगे। दिन का दूसरा प्रदर्शनी मैच मिक्सड डबल्स का होगा। मिक्सड डबल्स में उपग्रह रोहन बोपन्ना होंगे। वहीं उनके सामने इबान डोड्डा-बेथनी मैटैक सैंड्स की जोड़ी होगी। जूनियर लेवल पर उन्होंने 10 सिंगल्स और 13 डबल्स टैबल जितें। 2001 में सीनियर लेवल पर डेब्यू करने के बाद 2003 में उन्होंने अपना प्रोफेशनल टेनिस करियर शुरू किया। 16 साल की उम्र से प्रोफेशनल टेनिस करियर शुरू करने के बाद सानिया ने सिंगल्स, मिक्सड डबल्स और मिक्सड डबल्स में 20 साल तक टेनिस खेला। इनमें 6 ग्रैंड स्लैम के अलावा उन्होंने कुल 43 ट्रॉफी जीतीं।

शुभमन गिल पर भड़का पाकिस्तानी क्रिकेटर, बोला - इससे अच्छा तो केएल राहुल है

कराची। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2023 में भारत के जीत का सिलसिला उस वक टूट गया, जब ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 9 विकेट से शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया ने पहले दो टेस्ट बुरी तरह से हारने के बाद तीसरे टेस्ट में भारत को धूल चटा दी। इस टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी का प्रदर्शन काफी साधारण रहा, चेतेश्वर पुजारा के अलावा और कोई भी भारतीय बल्लेबाज खासा प्रभावित नहीं कर पाया। तीसरे टेस्ट में केएल राहुल की जगह लेने वाले शुभमन गिल भी प्लेयर रहे। वह पहली पारी 21, जबकि दूसरी पारी में मात्र 5 रन बनाकर आउट हुए। गिल के इस प्रदर्शन पर अब पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर दानिश कर्नेवली ने निशाना साधा और कहा है कि उनसे अच्छे राहुल थे, क्योंकि वह अनलकी तरीके से आउट हो रहे थे। गिल का टेस्ट की दोनों पारियों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा। अब उन पर प्लेइंग-11 में अपनी जगह गंवाने का खतरा मंडरा रहा है। दूसरी पारी में जिस तरह से उन्हें आउट किया गया उससे राहुल दबिबू भी काफी भड़के हुए दिखे और एक बार जब कोच प्रभावित नहीं होता है तो टीम में आपकी स्थिति कमजोर हो जाती है। आप इस तरह के शॉट नहीं खेल सकते। इस से अच्छे केएल राहुल थे, वह जिस तरह आउट हो रहे थे। वो अनलकी रह रहे थे। उन्होंने कहा, 'शुभमन गिल को यह साबित करने की जरूरत है कि वह लंबी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर भारत को जीतना है, तो ऊपर के बल्लेबाजों - रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को प्रदर्शन करना होगा। क्या अय्यर की जगह सूर्यकुमार यादव अब्बल हो सकते हैं? वे हो सकते हैं, क्योंकि वह 360 डिग्री खिलाड़ी है और आपको इस तरह के विकेटों पर उस क्षमता की जरूरत है।

हार के बाद गुजरात जायंट्स की उप-कप्तान ने कहा, हमसे फील्डिंग में कई बार चूक हुई

मुंबई। महिला प्रीमियर लीग के पहले मैच में गुजरात जायंट्स को मुंबई इंडियंस के हाथों 143 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा। गुजरात जायंट्स की उप-कप्तान बनेरा राणा ने हार का कारण खराब फील्डिंग को बताया। उन्होंने कहा कि हमसे फील्डिंग में कई बार चूक हुई। हरमनप्रीत ने केवल 30 गेंदों पर 65 रन की पारी खेली जिसमें 14 चौके शामिल थे। उन्होंने इसके साथ ही एमिलिया केर (24 गेंदों पर नाबाद 45 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी की जिससे मुंबई ने 5 विकेट पर 207 रन बनाने में कामयाब रही। गुजरात की टीम शुरू से ही लड़खड़ाती हुई नजर आई और नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती है। इस वजह से टीम 15.1 ओवर में मात्र 64 रन पर ही ढेर हो गई और उसे हार का मुंह देखना पड़ा। गुजरात जायंट्स की उपकप्तान बनेरा राणा ने कहा कि

चारों खाने चित हुई गुजरात, मुंबई ने 143 रनों से जीता मैच

मुंबई। वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन संस्करण के पहले मैच में मुंबई इंडियंस ने गुजरात जायंट्स को 143 रनों से करारी शिकस्त दी है। मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 208 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसके जवाब में गुजरात जायंट्स 15.1 ओवर में 64 रनों पर ही सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टीम अपनी पहली 5 विकेट 7 ओवर के अंदर ही गंवा बैठी। शुरूआती पांच बल्लेबाजों में स्टार प्लेयर हरलीन दिवोल, एशले गार्डनर और कप्तान बेथ मूनी बिना खाता खोले खेलियन लौट गईं, जबकि सबमिनेनी मेघना 2 और एनाबेल सदरलैंड 6 रन

बनाकर आउट हुईं। इसके बाद आखिरी पांच बल्लेबाजों का प्रदर्शन भी साधारण रहा, गुजरात की ओर से सबसे बड़ी पारी दयालन हैमलता ने नाबाद 29 रनों की खेली। मुंबई की ओर से सायका इराक ने सर्वश्रेष्ठ 4 विकेट चटकाए। इससे पहले मुंबई इंडियंस ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए थे। मुंबई की शुरुआत सही नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यास्तिका भाटिया मात्र 1 रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद नेट साइबर ब्रंट और हार्ले मैथ्यून ने पारी को संभाला। ब्रंट ने 18 गेंदों में 23 रनों की पारी खेली, जबकि मैथ्यून ने 31 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली। चौथे नंबर पर



खेलने आई कप्तान हरमनप्रीत ने तेजतर्रार पारी खेल टीम के स्कोर को 150 के पार पहुंचाया। उन्होंने 30 गेंदों में 14 चौकों की बदौलत 65 रनों की पारी खेली। इसके बाद अमेरिलिया केर और पूजा कट्याकर ने पारी को रफ्तार दी। इन दोनों बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। हालांकि, पूजा 8 गेंदों में 15 रन बनाकर ही आउट हो गईं। अमेरिलिया केर ने 24 गेंदों में 45 नाबाद रनों की पारी खेली। अंत में आकर इसी वॉग ने छक्का लगाकर पारी को खत्म किया। गुजरात जायंट्स की ओर से स्नेह राणा ने 2, जबकि एशले गार्डनर, तुनजा कनवर और जॉर्जिया वेयरहम तीनों ने 1-1 विकेट हासिल की।

लोग कहते हैं तुम विराट की बहुत तारीफ करते हो, मैं कहता हूं कैसे ना करूं: शोएब अख्तर

इस्लामाबाद। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के चाहने वालों की संख्या पूरी दुनिया में काफी ज्यादा है। देश के साथ विदेशों में उनके करोड़ों चाहने वाले हैं। विराट कोहली ने यह मुकाम अपने जबरदस्त क्रिकेट करियर से हासिल किया है। आम लोगों के साथ-साथ मौजूदा क्रिकेटर यह उन्हें अपना आइडल मानते हैं, वहीं पूर्व क्रिकेटर भी उनकी तारीफ करते नहीं थकते। कोहली के चाहने वालों में से एक बड़ा नाम पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज शोएब अख्तर का भी है। शोएब अख्तर कोहली की तारीफ करते रहते हैं और हाल में उन्होंने खुलासा किया है कि वह क्यों कोहली के बारे में इतनी बात करते हैं।

शोएब ने कहा, 'देखिए, मेरा मानना ? है कि सचिन तेंदुलकर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं, लेकिन एक कप्तान के रूप में, वह हारे हुए लग रहे थे। उन्होंने खुद ही कप्तानी छोड़ दी। मैं अपने एक



दोस्त से विराट कोहली के बारे में बात कर रहा था और हम उसी पर चर्चा कर रहे थे। कोहली पिछले कुछ समय खो गया था। जब-जब प्रदर्शन किया। शोएब ने कहा, 'आपको यह भी देखने की जरूरत है कि कोहली के लगभग 40 शतक रन चेज में आए। लोग

कहते हैं तुम विराट की बहुत तारीफ करते हो, मैं कहता हूं कैसे ना करूं? मुझे ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए? एक चरण के दौरान, विराट के शतकों के कारण भारत जीता था। गौर हो कि विराट कोहली की फॉर्म में पिछले एक दो साल में गिरावट आई थी और उनके प्रदर्शन पर पिछले साल काफी चर्चा भी हुई, लेकिन कोहली ने इस पर काम किया और कोहली ने अंतिम समय तक गोल का असफल प्रयास करती रहीं लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका। अंत में सुटआउट से फैसला किया गया। सुटआउट में राउंड ग्लास की टीम ने युपी ग्रेस को 4-2 से मात दे दी। युपी ग्रेस और पत्नीकर ब्रदर के बीच हाइड्राइन मैच होगा। वहीं राउंड ग्लास पंजाब और हरियाणा हकी के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा।

सब जूनियर प्राइजमनी हाकी प्रतियोगिता, हाकी हरियाणा और पंजाब के बीच होगा फाइनल मैच

लखनऊ। केडी सिंह बाथू मेमोरियल आल इंडिया सब जूनियर प्राइज मनी हाकी टूर्नामेंट में दो सेमी फाइनल मैच खेला गया। इसमें युपी ग्रेस और राउंड ग्लास पंजाब के बीच बहुत कांटे की टक्कर हुई और अंत तक कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। सुटआउट के लिए जरूरी फैसला हुआ, जिसमें राउंड ग्लास पंजाब ने 4-2 से मैच जीत लिया। वहीं हाकी हरियाणा और पत्नीकर ब्रदर्स शाहबाद हरियाणा के बीच हुए मैच में हाकी हरियाणा ने 1-0 से मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली। पहला सेमी फाइनल मैच हाकी हरियाणा और पत्नीकर ब्रदर्स शाहबाद हरियाणा के बीच खेला गया। दोनों टीमों की बीच बहुत ही कांटे की टक्कर रही। दोनों टीमों 20 मिनट तक एक-दूसरे पर गोल करने के लिए पसीने बहाते रहे। 21वें मिनट में हाकी हरियाणा की टीम ने एक गोलकर बड़ा बना ली। इसके बाद पत्नीकर ब्रदर्स की टीम गोल के लिए तरसती रह गयी, लेकिन अंत तक गोल नहीं कर सकी और हाकी हरियाणा की टीम 1-0 से मैच को जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं दूसरा सेमी फाइनल मैच युपी ग्रेस और राउंड ग्लास पंजाब के बीच खेला गया। इसमें दोनों ही टीमों अंतिम समय तक गोल का असफल प्रयास करती रहीं लेकिन कोई फैसला नहीं हो सका। अंत में सुटआउट से फैसला किया गया। सुटआउट में राउंड ग्लास की टीम ने युपी ग्रेस को 4-2 से मात दे दी। युपी ग्रेस और पत्नीकर ब्रदर के बीच हाइड्राइन मैच होगा। वहीं राउंड ग्लास पंजाब और हरियाणा हाकी के बीच फाइनल मैच खेला जाएगा।

गुजरात जायंट्स को बड़ा झटका, डब्ल्यूपीएल से बाहर हुई डियांझा डॉटिन

मुंबई। मुंबई इंडियंस के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2023 के अपने पहले मुकाबले से पहले गुजरात जायंट्स को बड़ा झटका लगा है। गुजरात के लिए खेल रही वेस्टइंडीज की हरफनमौला खिलाड़ी डियांझा डॉटिन डब्ल्यूपीएल 2023 से बाहर हो गई हैं। डॉटिन चोट से उबर रही हैं और अभी तक अपनी फिटनेस हासिल नहीं कर पाई है। 50 लाख रुपये की बोली शुरू होने के बाद डॉटिन को जायंट्स ने नीलामी में 60 लाख रुपये में खरीदा था। ऑस्ट्रेलिया की किम गर्थ को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। दाएं हाथ की यह बल्लेबाज पिछले महीने नीलामी में नहीं बिकी थी। वह दक्षिण अफ्रीका में टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थीं। गर्थ ने विश्व कप से पहले केवल दो चारम-अस मैच खेले थे। कज़ाखी कार्रवाई पूरी करने के बाद, वह ऑस्ट्रेलिया चली गई थी। उन्होंने महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में मेलबर्न स्टार्स के साथ तीन साल का अनुबंध किया है। वह जायंट्स की टीम में शामिल हुईं। नवी मुंबई के रोवाई पार्लिस्ट स्टेडियम में रात डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में जायंट्स का सामना मुंबई इंडियंस से होगा। जायंट्स का नेतृत्व ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी कर रही हैं, जिन्हें विश्व कप फाइनल में 53 गेंद में नाबाद 74 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था।

गुजरात जायंट्स की टीम: बेथ मूनी (कप्तान), एशले गार्डनर, सोफिया डंकले, एनाबेल सदरलैंड, हरलीन देओल, किम गर्थ, स्नेह राणा, एस



मेघना, जॉर्जिया वेयरहम, मानसी जोशी, डी हेमलता, मोनिका पटेल, तनुजा कनवर, सुषमा वर्मा, हर्ल गल्ला, अधिनी कुमारी, परुष्का सिंसोदिया और सनम शक्कील।

हमने इस दौरे के बारे में जो सोचा था, इंदौर में उसका दोगुना हासिल किया: ऑस्ट्रेलियाई कोच

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने स्वीकार किया है कि भारतीय टीम को घरेलू परिस्थितियों में चुनौती देने के लिए 'पूरी तरह से संपूर्ण (परफेक्ट)' होना जरूरत होता है और उनकी टीम ने इस दौर के बारे में जो सोचा था उसके मुकाबले इंदौर टेस्ट में दोगुना अधिक हासिल किया। चार मैचों की श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट को तीन दिनों के अंदर हार कर बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला गंवाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इंदौर टेस्ट मैच में खानदार खपसी की। टीम ने पहली गेंद से ही स्पिनरों की मददगार पिच पर भारत को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। मैकडॉनल्ड ने, 'आप जब भारत में खेलते हैं तो सफलता के लिए आपको संपूर्णता (परफेक्शन) हासिल करनी होती है उसके

असपास होना पड़ता है। मुझे लगता है 11 रनों के भीतर छह विकेट गंवाने के अलावा हम उस



मैच में उस संपूर्णता के करीब रहे।' मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम के मुख्य खिलाड़ी उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने के बारे में सीख रहे हैं और इससे भविष्य में उन्हें बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'उपमहाद्वीप में हर खिलाड़ी की यात्रा कहीं से शुरू होती है और मुझे विश्वास है कि

इंदौर में टीम को किस्मत का भी साथ मिला। कोच ने कहा, 'मार्नुस (लाबुवेल) ने बॉल पर बोलवू हुए थे। इसके अलावा हमने अक्सर को भी बचवु भी भुनाया। उस्मान (खवाजा) ने उड़ते हुए कैच लपका। लेग स्लिप पर (स्टीव) स्मिथ के कैच ने इस मुकाबले को जीतने में बड़ा योगदान है।

दिल्ली टेस्ट से यदि हम तुलना करें तो स्मिथ ने पहली स्लिप और ग्रेट रेनशॉ ने लेग स्लिप पर एक-एक कैच टफका दिया था। एक चेंटे के खराब खेल से हमने सब कुछ गंवा दिया। अच्छे क्रिकेट खेलने के बावजूद हमें इसकी वजह से टेस्ट मैच गंवा कर चुकानी पड़ी।' उन्होंने कहा, 'इस दौर के लिए हमने जो सोचा था इंदौर में उसका दोगुना हासिल करने में सफल रहे।'

हमने इस दौरे के बारे में जो सोचा था, इंदौर में उसका दोगुना हासिल किया: ऑस्ट्रेलियाई कोच

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने स्वीकार किया है कि भारतीय टीम को घरेलू परिस्थितियों में चुनौती देने के लिए 'पूरी तरह से संपूर्ण (परफेक्ट)' होना जरूरत होता है और उनकी टीम ने इस दौर के बारे में जो सोचा था उसके मुकाबले इंदौर टेस्ट में दोगुना अधिक हासिल किया। चार मैचों की श्रृंखला के शुरुआती दो टेस्ट को तीन दिनों के अंदर हार कर बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला गंवाने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इंदौर टेस्ट मैच में खानदार खपसी की। टीम ने पहली गेंद से ही स्पिनरों की मददगार पिच पर भारत को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। मैकडॉनल्ड ने, 'आप जब भारत में खेलते हैं तो सफलता के लिए आपको संपूर्णता (परफेक्शन) हासिल करनी होती है उसके

असपास होना पड़ता है। मुझे लगता है 11 रनों के भीतर छह विकेट गंवाने के अलावा हम उस

मैच में उस संपूर्णता के करीब रहे।' मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम के मुख्य खिलाड़ी उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में खेलने के बारे में सीख रहे हैं और इससे भविष्य में उन्हें बड़ी सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा, 'उपमहाद्वीप में हर खिलाड़ी की यात्रा कहीं से शुरू होती है और मुझे विश्वास है कि



न्यूज पलैश

तालाब में उतराया मिला अंधेड़ का शव

मीरजापुर: कोतवाली शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत कंजरहवा पोखरा स्थित तालाब में रविवार को एक अंधेड़ का शव पानी में उतराया मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान धुरेलाल सोनकर पुत्र (52) स्व. फूलचंद सोनकर निवासी परमापुर टेकवा के रूप में हुई। मृतक के परिजन ने तीन मार्च को धुरेलाल की गुमशुदगी शहर कोतवाली में दर्ज कराई थी। पुलिस मृतक के शव को कच्छे में लेकर वैधानिक कार्रवाई में जुट गई।

हथ्ये चढ़ा रंगदारी मांगने वाला गुर्गा

हरिद्वार: 50 लाख की रंगदारी मांगने और परिवार को जान से मारने की धमकी देने के आरोपित कुख्यात सुनील राठी के गुर्गों को पुलिस ने दबोच लिया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि उन्होंने पुलिस की सीआईयू सहित अलग-अलग टीम गठित कर स्वयं मामले की मॉनिटरिंग की। इस मामले में पुलिस टीम ने इस मामले में नामजद आरोपित सुशील गुज्जर निवासी मिरगपुर थाना देवबन्द, जिला सहारनपुर-उ.प्र. को सिडकुल क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के पास से एक पिस्टल, 02 मैगजिन व 10 जिन्दा कारतूस बरामद किए हैं। गौरतलब है कि ब्रूटैफ प्रकाशपियो गाड़ी में घूमने वाले आरोपित सुशील गुज्जर ने सुनील राठी के लिये काम करता है। चिकित्सक मलिक निवासी बड़ा परिवार गुरुकुल, हरिद्वार से नवोदय नगर स्थित एक प्लॉट के मामले को निपटाने के एवज में 50 लाख की रंगदारी मांगी गई थी। जेल में बंद सुनील राठी और उसके गुर्गों ने फोन पर धमकी दी थी। रकम न देने पर पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गयी थी। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की तहकीकात कर रही थी।

भामाशाहों की धरती है बीकानेर, सेवा के लिए सदैव तत्पर

बीकानेर: मुक्ति संस्था द्वारा कुसुम देवी डागा स्मृति 15वां घुटना दर्द निवारण शिविर रविवार को ब्रह्म बगीचा में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त डॉ. नीरज के पवन ने कहा कि बीकानेर भामाशाहों और दानदाताओं की धरती है। यहां के लोग सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। डागा परिवार, बीकानेर कि इस विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने मुक्ति संस्थान द्वारा सामाजिक सरोकार की दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भीमराज अंबेडकर फाउंडेशन के महानिदेशक मदन गोपाल मेघवाल ने की। उन्होंने कहा कि परहित से बड़ा कोई धर्म नहीं है। दुखी और पीड़ित व्यक्ति की सेवा करना हमारी परंपरा का हिस्सा रहा है। आज के दौर में यह बेहद प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि घुटना रोग से पीड़ित व्यक्ति को निशुल्क परामर्श और चिकित्सा देना कुसुम देवी डागा को सच्ची श्रद्धांजलि है। मुक्ति संस्थान के अध्यक्ष हीरालाल हर्ष ने स्वागत उद्घोषण दिया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा लगातार 15वीं बार यह शिविर आयोजित किया गया है। संस्था द्वारा अब तक 6 हजार से अधिक लोगों को निशुल्क परामर्श एवं चिकित्सा उपलब्ध कराई गई है वहीं रविवार के शिविर में 450 लोगों को निशुल्क नीकैप उपलब्ध करवाए गए। इससे पहले मेघवाल और डॉक्टर पवन ने दीप प्रज्वलन कर शिविर की शुरुआत की। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी द्वारा पारिवारिक आवश्यक किट वितरण किए गए। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र जोशी ने किया।

साधा निशाना

वीडियो विलप जारी करते हुए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण एक्का को कटघरे में खड़ा किया

'प्रधान सचिव को पदमुक्त कर केस दर्ज कराएं सीएम'

रांची/टीएम एक्शन इंडिया
भाजपा विधायक दल के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार पर बड़ा हमला बोला। विडियो विलप जारी करते हुए मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण एक्का को कटघरे में खड़ा किया। बाबूलाल रविवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मरांडी ने कहा कि ये झारखंड के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव जो गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के भी प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का के काले कारनामों एवं महालूट का एक छोटा सा वीडियो क्लिप हमारे

लखनऊ/टीएम एक्शन इंडिया
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को होली की पूर्व संध्या पर हरदोई के संडीला में बर्जर पेंट्स की सबसे बड़ी विनिर्माण इकाई का वर्चुअली उद्घाटन किया। अपने सरकार आवास 5 कालिदास मार्ग से उन्होंने बटन दबाकर इकाई का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने प्रदेश में निवेश कर रही विभिन्न कंपनियों से अपनी विनिर्माण इकाइयों के संचालन के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर की शुरुआत करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस तरह की इकाइयां न सिर्फ अपना विस्तार करेंगी बल्कि स्थानीय युवाओं के स्किल डेवलपमेंट के एक बेहतर कार्यक्रम को भी आगे बढ़ाने का काम करेंगी। मुख्यमंत्री



ने कहा कि आज समय आ गया है जब हम स्थानीय इंस्टीट्यूशंस को भी इंडस्ट्री के साथ जोड़कर आने वाले समय के लिए मैनपावर की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए स्किल डेवलपमेंट के साथ भी अपनी इकाई को जोड़ सकते हैं। हाल ही में हमारी सरकार ने टाटा टेक्नोलॉजीज लि. के साथ 150 आईटीआई के एमओयू को आगे

बढ़ाया है। जिसमें 35 हजार युवाओं को हम प्रतिवर्ष ट्रेनिंग देंगे। न्यू एज ट्रेड्स के साथ उनके स्किल डेवलपमेंट के कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। टीटीएल ने अपनी सहयोगी इकाइयों में उनके समायोजन की गारंटी भी दी है। अगले दस वर्ष तक वह राज्य सरकार के साथ इस कार्यक्रम के तहत जुड़ी रहेगी। मैं चाहूंगा कि



कम से कम एक स्किल डेवलपमेंट का सेंटर भी आपके माध्यम से हरदोई, संडीला में स्थापित होता है तो औद्योगिक विकास विभाग या यूपीसीडा इसमें आपका सहयोग करेगा। इससे स्थानीय युवा न केवल एक सकारात्मक भाव के साथ इस स्किल डेवलपमेंट के साथ जुड़ेंगे बल्कि समय-समय पर हमारे

जनप्रतिनिधियों को भी इस सेंटर के माध्यम से अन्य क्षेत्रों के विकास और नवाचार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।
औद्योगिक निवेश के नए युग की ओर बढ़ा यूपी: सीएम योगी ने अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कहा कि होली की पूर्व संध्या पर एक हजार करोड़ से अधिक के निवेश का धरातल पर

भर्ती के नाम पर टगाने वाले गिरोह का भंडाफोड़



देहरादून/टीएम एक्शन इंडिया
एसटीएफ ने भारतीय युवा खेल परिषद के वेबसाइट भर्ती के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह भंडाफोड़ कर तीन को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह के सदस्यों के खातों में विगत 06 माह में करीब 55 लाख रुपये का लेनदेन हुआ है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि कुछ दिवस पूर्व एसटीएफ कार्यालय में उत्तराखंड के कुछ युवकों ने शिकायत की थी कि एक संगठित गिरोह भारतीय युवा खेल परिषद में फिजिकल एजुकेशन टीचर, भारतीय रेलवे, इन्कम टैक्स आदि विभागों में सरकारी नौकरी के पदों के लिये आनलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं और भर्ती कराने की एवज में फर्जी भर्ती सेंट्रलों में ट्रेनिंग देकर मोटी रकम ली जा रही है। इस सम्बन्ध में एसटीएफ ने जांच में पाया कि भारतीय युवा खेल परिषद नाम से एक वेबसाइट

बनी हुई है, जिसमें फिजिकल एजुकेशन टीचर जैसे विभिन्न पदों के लिये आनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध हैं। इसमें रजिस्ट्रेशन के लिये 700 रुपये की फीस निर्धारित की गई है। शुल्क भरकर आवेदन के पश्चात सेलेक्शन होने पर युवक/युवती को फिजिकल एजुकेशन टीचर पद के लिये उपयुक्त बताकर ट्रेनिंग के लिये हरिद्वार स्थित एक आश्रम में उपस्थित होने के लिये कहा जाता था। इसके बाद उनसे परमानेंट सेलेक्शन के लिये करीब 1.5 से 02 लाख रुपये का खर्चा बताकर यूथ एसोसिएशन के नाम से बने खाते के अलावा अपने खातों में पैसा जमा करा दिया जाता था। फिर युवक और युवतियों को कुछ दिवस की ट्रेनिंग देने के पश्चात ज्वानिंग लेटर का इंतजार करने के लिये कहकर वापस भेज दिया जाता है लेकिन फिर दोबारा उन्हें कोई सम्पर्क नहीं किया जाता है।



मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना' का शुभारंभ किया।

एक बार फिर मिला पीआईए लिखित पाक गुब्बारा

सांबा: भारत पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के उस पार से आया एक गुब्बारा पुलिस ने बरामद किया है। यह गुब्बारा हवाई जहाज के आकार का है। जिला सांबा के घगवाल ब्लाक के मुट्ठी खुर्द गांव के रिहायशी इलाके में एक घर पर आकर यह गुब्बारा गिरा। गुब्बारे पर पीआईए लिखा हुआ था, जिससे साफ हुआ कि यह गुब्बारा सीमापार पाकिस्तान से आया है। गुब्बारे को देखने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस टीम को दी।

काशी विश्वनाथ धाम में अब मिलेगा मिलेट्स से बना लड्डू प्रसादम

वाराणसी/टीएम एक्शन इंडिया
बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से निकली हुई बात पूरी दुनिया में पहुंचती है। श्री काशी विश्वनाथ धाम से दिया गया सन्देश विश्वभर में फैले सनातनी मानते हैं। योगी सरकार की पहल पर श्री काशी विश्वनाथ धाम में अब मोटे अनाज (मिलेट्स) का चढ़ा हुआ लड्डू प्रसादम के रूप में बिकने लगा है। बता दें कि सन्-2023 को संयुक्त राष्ट्र संघ 'मोटे



अनाज दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा कर चुका है। मिलेट्स कई तरह के पोषक तत्वों से युक्त

होता है, जिसे खाने की अपील प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी दुनिया से कर रहे हैं।

'प्रदेश में किए गए रिफॉर्म के परिणाम सबके सामने हैं'

प्रदेश में विकास की टाइमलाइन की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश का इंफ्रास्ट्रक्चर जिस मजबूती के साथ आगे बढ़ा है, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे हो, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे हो, गंगा एक्सप्रेसवे पर जिस तेजी के साथ कार्य प्रारंभ हुआ है, एयर कनेक्टिविटी जिस तेजी से आगे बढ़ी है, औद्योगिक संस्थानों ने जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने का काम हुआ है, विद्युत की आपूर्ति में बिना भेदभाव के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने और हर औद्योगिक इकाई को आपन एक्सेस सुविधा देने के बाद आज उत्तर प्रदेश में समय-समय पर जो रिफॉर्म किए गए उसके परिणाम निवेश के रूप में और रोजगार सृजन के माध्यम से सबको देखने को मिला है।

'आज यूपी के पास सेक्टरल पॉलिसीज'

प्रदेश के हर हिस्से में हो रहे निवेश को इंगित करते हुए योगी ने कहा कि पहले जब भी निवेश की बात होती थी तो इसका मतलब पनसीआर माना जाता था। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बहुत हुआ तो यमुना अर्थोस्ट्री और गाजियाबाद। 2017 के पहले हमारे सामने चुनौती थी कि क्षेत्रीय आर्थिक विषमता को दूर करने के लिए क्या किया जाना चाहिए। निवेश बहुत हद तक लखनऊ तक पहुंच पाता था। लेकिन ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने इन सभी मिथकों को तोड़ा है। 10 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव पूर्वी उत्तर प्रदेश को प्राप्त होना, 4.29 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव बुंदेलखंड रीजन को प्राप्त होना, सभी 75 जनपदों के लिए निवेश प्रस्ताव का प्राप्त होना।

होली के हुड़दंग में भी जी-20 की खुमार

वाराणसी/टीएम एक्शन इंडिया
काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के साथ प्रतीक रूप से चिता भस्म की होली खेलने के बाद अब रंगों के पर्व की मस्ती और खुमारी युवाओं के सिर चढ़कर बोल रही है। नगर में जगह-जगह युवाओं और कलाकारों की टोली अबीर गुलाल की होली खेलने के साथ भंग के तरंग में भी दिखने लगी है। पाश कलिनियों से लेकर गंगा किनारे युवाओं की टोली पारम्परिक होली गीतों की मस्ती के बीच एक दूसरे पर अबीर-गुलाल उड़ा रही है। रविवार को रंगाजलि श्रीकाशी चौदह पचासी (1485) विद्वत्

परिषद् के बैनर तले जुटे युवाओं की टोली ने अस्सीघाट पर सुबह बनारस के मंच पर भगवान शिव को रंगाजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बाबा विश्वनाथ, माँ गंगा व सभी देवगण को गुलाल अर्पित कर युवाओं ने रंगाजलि मनाई। गायक विजय कपूर ने होली के पारम्परिक गीतों के साथ आगामी दिनों में शहर में होने वाले जी-20 सम्मेलन पर आधारित गीतों की भी दमदार प्रस्तुति की। गायक कलाकार ने चुनाव पर आधारित राजनीतिक, व्यापक व हिन्दुत्व से ओत-प्रोत गीतों की बनारसी अंदाज में प्रस्तुति कर महफिल लूटी।



8 COLOUR WEB OFFSET MACHINE

Capacity : 36000 Copies per Hour

16 Broad Sheet Pages in One Go

THE PRINTING HUB COMPLETE C T P UNIT BASYS PRINT



Corporate Office : A-15, G. T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033

Phone : +91-9999889104, +91-9250706656, +91-11-47502546